संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 162
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शनिवार 12 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

सार समाचार

गोशालाओं को अब संरक्षण के साथ बनाया जाएगा आत्मनिर्भरता का मॉडल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में गोशालाओं को प्राकृतिक कृषि, जैविक उर्वरक, बायोगैस, पंचगव्य आधारित उत्पादों और ग्रामीण रोजगार से जोड़ने की दिशा में उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के संयुक्त सहयोग से कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में 25 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पिकअप भवन में आयोजित बैठक में गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने गोवंश संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना में वर्तमान में एक से चार गोवंश सुपुर्द किए जाने की सीमा बढ़ाकर अधिकतम 10 गोवंश किए जाने का सुझाव दिया।

पंजाब में भाजपा चलाएगी बड़ा नशा विरोधी अभियान

नई दिल्ली। पंजाब में नशे के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी बड़े स्तर पर अभियान शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी की ओर से राज्यभर में चार अलग-अलग नशा विरोधी यात्राएं निकाले जाने की योजना है। सूत्रों के मुताबिक, इन यात्राओं के जरिए भाजपा नशे के मुद्दे को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने और इसे पंजाब की प्रमुख राजनीतिक बहस में शामिल करने की कोशिश करेगी।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले पीएम मोदी का संदेश

बोले- वैश्विक मुद्दों पर होंगी सकारात्मक चर्चाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में दुनिया के कई देशों के नेता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में जुटेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस उच्चस्तरीय बैठक में दुनिया के कल्याण को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग वैश्विक मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा होगी। पीएम मोदी ने यह बात शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कही। उन्होंने अपने संदेश के साथ संस्कृत का एक श्लोक भी साझा किया।

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किंचिदाचरेत्॥

इसका भाव यह है कि व्यक्ति को हमेशा अच्छे और गुणी लोगों के बीच रहना चाहिए और उनकी संगति करनी चाहिए। साथ ही, अच्छे लोगों के साथ संवाद और

मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए, क्योंकि आपसी सद्भाव, बातचीत और मित्रता से शांति और सहयोग मजबूत होता है।

भारत में कब और कहां होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इसी के तहत 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होगा।

ब्रिक्स बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा होगी?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी। सदस्य देश और अन्य आमंत्रित प्रतिनिधि वैश्विक तथा क्षेत्रीय मामलों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इन मुद्दों को लेकर देशों के बीच आपसी महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

ब्रिक्स सम्मेलन 2026: दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

राष्ट्रपति भवन संग्रहालय और अमृत उद्यान भी बंद

एजेंसी

नई दिल्ली: 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस बार नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। कई प्रमुख स्थान भी अगले तीन बंद रहेंगे, जिसमें राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान को शुक्रवार से रविवार तक विजिटर्स के लिए बंद रखा गया है। एक अधिकारी ने बयान में कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में 'चेंज ऑफ गार्ड' (गार्ड परिवर्तन) सेरेमनी भी नहीं होगी। यह कदम ब्रिक्स प्रतिनिधियों को होने वाली परेशानी कम करने और शिखर सम्मेलन स्थल के आसपास के इलाकों में आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाकर सड़कों पर भीड़ कम करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा, दिल्ली मेट्रो ने भी सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर स्थित अपने म्यूजियम को शुक्रवार से तीन दिनों तक बंद रखने का फैसला किया है। वहीं, दिल्ली सरकार ने पहले ही 11 सितंबर को अपने कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा की है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने भी उस दिन केंद्र सरकार के कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक सर्कुलर जारी किया है। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर एक ट्रैफिक एजवाइजरी जारी की। इसमें बताया गया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के चलते दिल्ली के मुख्य रास्तों पर दोपहर 2 बजे से रात 8.30 बजे तक ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा और आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा।

पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें, यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें, पब्लिक ट्रांसपोर्ट (खासकर मेट्रो) का इस्तेमाल करें और तय डायवर्जन रूट व ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। पुलिस ने कहा कि इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं वाली गाड़ियों को निकलने में प्राथमिकता दी जाएगी।इससे पहले, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अदालतों में आधिकारिक कामकाज और कानूनी मामलों की तारीखों में बदलाव के बारे में लोगों को जानकारी दी थी।

बद्रीनाथ धाम में हादसा, तप्त कुंड में नहाते समय दो बुजुर्ग महिला श्रद्धालुओं की मौत

चमोली । बद्रीनाथ धाम में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तप्त कुंड में स्नान के दौरान दो बुजुर्ग महिला यात्रियों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है। चमोली पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 63 वर्षीय प्रेमा देवी और 71 वर्षीय रामू देवी के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं राजस्थान की रहने वाली थीं। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं तप्त कुंड में स्नान कर रही थीं, तभी वे कुंड के अंदर बेहोश हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और मंदिर प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन अधिक उम्र होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन में बदलाव आया : अमित शाह

'हमने 'जीरो कैजुअल्टी' के साथ कई आपदाओं का सफलतापूर्वक सामना भी किया है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में आपदा प्रबंधन के नजरिए और तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव आया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (एनआईडीएम) की गवर्निंग बॉडी की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरे डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम को पूरी तरह से बदल दिया है, 'जीरो कैजुअल्टी' का लक्ष्य तय किया है। देश को इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'हमने 'जीरो कैजुअल्टी' के साथ कई आपदाओं का सफलतापूर्वक

सामना भी किया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। पहले आपदाओं को केवल राहत और पुनर्वास के नजरिए से देखा जाता था। आज, हम तीन स्तंभों - जोखिम कम करने, शुरुआती चेतावनी प्रणालियों और 'जीरो कैजुअल्टी' - पर आधारित एक नए युग में प्रवेश कर चुके हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। '

उन्होंने कहा कि इस दिशा में, 'होल ऑफ गवर्नमेंट' (पूरी सरकार का एक साथ मिलकर काम करना) का दृष्टिकोण हमारे काम करने के तरीके का एक अहम हिस्सा बनता जा रहा है। जब भी कोई आपदा आती है, तो सरकार के सभी विभाग सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देते हैं। अब, नई रिसर्च की ताकत के साथ हमें प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए और लगातार निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस तरह आपदाओं से निपटने में 'होल ऑफ गवर्नमेंट' का दृष्टिकोण अपनाया गया है, उसी तरह डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के लिए भी हमें 'होल ऑफ गवर्नमेंट' के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

बड़ा खुलासा: एआई से जैविक हथियार बनाने की कोशिश!

एंथ्रोपिक ने कई खतरनाक मामले समय रहते रोके

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की ताकत जितनी बढ़ रही है, उसके गलत इस्तेमाल का खतरा भी उतना ही गंभीर होता जा रहा है। अब एआई के जरिए सिर्फ साइबर हमले या फर्जी कंटेंट तैयार करने का खतरा नहीं है, बल्कि जैविक हथियारों से जुड़ी रिसर्च में भी इसके दुरुपयोग की आशंका सामने आई है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने दावा किया है कि उसने अपने क्लॉड मॉडल के जरिए जैविक हथियार विकसित करने से जुड़ी कई संदिग्ध गतिविधियों को समय रहते रोक दिया।

एंथ्रोपिक के मुताबिक, इस साल सामने आए कुछ मामलों में उसके मॉडल का इस्तेमाल ऐसी वैज्ञानिक रिसर्च के लिए करने की कोशिश की गई, जिसका इस्तेमाल खतरनाक जैविक एजेंट तैयार करने में किया जा सकता था। कंपनी ने संदिग्ध अकाउंट्स पर कार्रवाई करते हुए उन्हें स्थायी रूप से बंद कर दिया।

चिकनगुनिया वायरस से जुड़ा गंभीर मामला

एंथ्रोपिक के सामने सबसे चिंताजनक मामला मई में सामने आया। कंपनी के अनुसार, एक वैज्ञानिक ने क्लॉड की मदद से चिकनगुनिया वायरस के जीनोम में ऐसे बदलावों की दिशा में काम करने की कोशिश की, जिनसे वायरस का असर ज्यादा गंभीर हो सकता था। जांच के दौरान इस गतिविधि से जुड़ा संस्थान एक विदेशी सैन्य शोध केंद्र पाया गया। इसके बाद एंथ्रोपिक के सुरक्षा सिस्टम ने मामले को चिन्हित किया और संदिग्ध गतिविधि को रोक दिया।

एंथ्रोपिक के थ्रेट इंटेलिजेंस प्रमुख जैकब क्लेन ने बताया कि इन मामलों में इस्तेमाल की गई वैज्ञानिक भाषा बेहद जटिल थी। शुरुआत में यह तय करना आसान नहीं था कि एआई से मांगी गई जानकारी किसी वैक्सीन, बीमारी के इलाज या दूसरे मेडिकल शोध के लिए है या इसके पीछे नुकसान पहुंचाने का इरादा है। यही वजह एआई के दुरुपयोग को पकड़ना मुश्किल बनाती है। किसी वायरस या रोगाणु पर किया जा रहा शोध चिकित्सा के लिए उपयोगी भी हो सकता है और उसी जानकारी का इस्तेमाल नुकसान पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है।

एआई की दोहरी क्षमता बन रही बड़ी चुनौती

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी चिंता एआई की तथाकथित दोहरी उपयोग वाली क्षमता को लेकर है। वैज्ञानिक ज्ञान का इस्तेमाल एक तरफ नई दवाएं, इलाज और वैक्सीन विकसित करने में किया जा सकता है, वहीं दूसरी तरफ उसी जानकारी का इस्तेमाल खतरनाक जैविक एजेंटों पर काम करने के लिए भी किया जा सकता है।

दिग्विजय दिवस : स्वामी विवेकानंद के शब्द आज भी दुनिया में गूंजते हैं, पीएम मोदी समेत मुख्यमंत्रियों ने किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई मुख्यमंत्रियों ने उन्हें नमन किया है। यह दिन हर वर्ष 'दिग्विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, '11 सितंबर 1893, शिकागो। स्वामी विवेकानंद के मनमोहक भाषण ने भारत की सभ्यतागत संस्कृति की झलक पेश की। उनके प्रेरणादायक शब्द आज भी पूरी दुनिया में गूंजते हैं।' सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, 'शिकागो में स्वामी विवेकानंद द्वारा किया गया ऐतिहासिक भाषण दुनिया को भारत की संस्कृति का दर्शन कराता है। हर भारतीय के लिए यह एक प्रेरणा का स्रोत है। 'दिग्विजय दिवस' के अवसर पर स्वामी विवेकानंद को कोटि-कोटि नमन। '

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'शिकागो धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद का ओजस्वी उद्बोधन भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की विराट अभिव्यक्ति थी, जिसने विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया। स्वामी जी ने भारत की सर्वसमावेशी विचारधारा और

'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को विस्तार प्रदान करते हुए विश्व को शांति, सद्भाव और मानव-एकता का मार्ग दिखाया। आज ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर सभी को हार्दिक बधाई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पूज्य स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर उन्हें कोटिशः नमन! 1893 में विश्व धर्म संसद में उनके द्वारा कहे गए शब्द 'मेरे अमेरिकी भाइयो और बहनो' ने न केवल भारत के सार्वभौमिक सहिष्णुता के संदेश को विश्व पटल पर स्थापित किया, बल्कि समूची मानवता को एकता का नया मार्ग भी दिखाया।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'दिग्विजय दिवस! सन् 1893 में आज ही के दिन स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्म संसद में अपने ओजस्वी विचारों से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का गौरव पूरे विश्व के सामने स्थापित किया था। उनका संदेश आज भी भारत की ज्ञान, संस्कृति और मानवता की महान परंपरा का प्रतीक है। ' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत की आध्यात्मिक चेतना के विश्वदूत, युगद्रष्टा एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के 133वें दिग्विजय दिवस पर शत-शत् नमन। वर्ष 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में आपके ओजस्वी संबोधन ने विश्व को भारत की सनातन संस्कृति की उदारता, सहिष्णुता और मानव कल्याण की महान परंपरा से परिचित कराया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'विश्व के आध्यात्मिक पटल पर भारत की सनातन चेतना का तेजस्वी उद्घोष करने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के शिकागो उद्बोधन को नमन। 11 सितंबर 1893 को शिकागो की धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद जी के ओजस्वी संबोधन ने भारत की आध्यात्मिक विरासत, सहिष्णुता और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की महान भावना को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित किया। उनके शब्दों में वाणी का ओज और भारत की सनातन आत्मा, ज्ञान की दिव्य परंपरा व मानवता के कल्याण का विराट संकल्प निहित था।

परिवार के सदस्य को बचाने के चक्कर में 5 लोग बाढ़ के पानी में डूबे, सभी की मौत

एक ही परिवार के चार लोग मृतकों में शामिल

एजेंसी

भागलपुर: बिहार के भागलपुर जिले के बाईपास पुलिस स्टेशन इलाके में कोयली खुथा गांव में सड़क पर जमा बाढ़ के गहरे पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण वहां पानी जमा हो गया था। इस दुखद घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित अपने खेतों की ओर जा रहे थे, तभी एक व्यक्ति सड़क पर जमा गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उस व्यक्ति को बचाने की कोशिश में कई और लोग पानी में उतरे, लेकिन इस दौरान पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पीड़ितों को पानी से बाहर निकाला और उन्हें जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और

अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन पांचों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मंचोन देवी, सोनाक्षी कुमारी, प्रिंस कुमार, अभिषेक कुमार और अंशु प्रिया के तौर पर हुई है। पीड़ितों में से चार लोग एक ही परिवार के थे, जबकि पांचवां व्यक्ति उनका पड़ोसी था। स्टेशन हाउस ऑफिसर, स्थानीय पंचायत मुखिया और निवासी भी मायागंज अस्पताल पहुंचे। एक पड़ोसी राजेश कुमार ने कहा, 'कुल मिलाकर पांच लोगों की मौत हुई है। घटना यह हुई है कि ये लोग सड़क के किनारे एक खेत देखने के लिए गए हुए थे, वहां पर रोड के किनारे खाई है और बच्चे गए हुए थे, एक बच्चा डूबने लगा तो उसको बचाने के लिए पांचों डूब गए। किसी को भी तैरना नहीं आता था, एक ही परिवार के चार लोग थे, यहां पर करीब छह या सात दिन से पानी है। '

मप्र के इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक माह में दूसरी मौत

महिला ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) पॉजिटिव महिला की मौत हो गई। वह एक सरकारी डॉक्टर की पत्नी थी। इससे पहले भी यहां एक महिला की स्वाइन

फ्लू के कारण मौत हो चुकी है। इंदौर में यह एक माह में दूसरी मौत हुई है। जिस महिला की मौत हुई, वह शाजापुर की रहनी वाली थी और इलाज के लिए दस दिन से इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। पहले उसे सर्दी-जुकाम की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे सांस संबंधी समस्याएं होने लगीं। डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। स्वाइन फ्लू के अलावा वह कोविड से भी संक्रमित थी। नजदीकी लोगों के मुताबिक महिला में 28 अगस्त से बुखार, खांसी और सर्दी के लक्षण शुरू हुए थे। महिला की एच1एन1 जांच एक सितंबर को पॉजिटिव आई। इसके बाद उन्हें इंदौर में इलाज के लिए एडमिट कराया गया। वहीं, 2 सितंबर की रिपोर्ट में इन्फ्लुएंजा के साथ कोविड-19 भी पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी दी गई है।

महाराष्ट्र: भंडारा जिले में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और कार की जोरदार टक्कर

तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत

एजेंसी

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में आज शुक्रवार तड़के भयानक सड़क हादसा हुआ। ट्रक और स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल बोलेरो के बीच जोरदार टक्कार हुई। इस हादसे में तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा आज शुक्रवार, 11 सितंबर की सुबह 4 बजे लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच हुआ।

मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'एक बोलेरो गाड़ी आइशर ट्रक से टकरा गई। हादसे में बोलेरो में सवार आठ लोगों- पांच वयस्क और तीन बच्चों की मौत हो गई।' पुलिस ने बताया कि बोलेरो में सवार लोग करीब लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच गाड़ी की टक्कर ट्रक से हो गई। पुलिस ने

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से नेशनल हाईवे 53 के जरिए नागपुर आ रहे थे। सुबह 4 बजे बोलेरो में सवार आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

लोकसभा उपचुनावः असम भाजपा ने नौगांव से देबाशीष शर्मा को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने असम में होने वाले लोकसभा उपचुनाव 2026 को लिए उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। भाजपा ने नौगांव लोकसभा क्षेत्र से देबाशीष शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। असम की नौगांव संसदीय सीट कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे के कारण खाली हो गई थी। बता दें कि 2024 को लोकसभा चुनाव में प्रद्युत बोरदोलोई 788,850 वोट हासिल किया था, जबकि भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा को 576,619 वोट मिले थे। इस सीट से 2019 लोकसभा में प्रद्युत बोरदोलोई ही सांसद चुने गए थे और भाजपा उम्मीदवार दूसरे नंबर पर थे। गौरतलब है कि प्रद्युत बोरदोलोई 17 मार्च को सांसद पद से इस्तीफा देने के साथ कांग्रेस पार्टी को भी छोड़ दिया था। प्रद्युत बोरदोलोई वर्मतान में भाजपा में है। इस्तीफा देने के बाद 19 सितंबर को प्रद्युत बोरदोलोई ने बातचीत में कहा था कि कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का उनका फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया था।

कर्नाटकः चामराजनगर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

चामराजनगर । कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में आर.एस. डोडी के पास एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि कार के ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी गई है। मरने वालों की पहचान रमेश, सुरेश और मुनियप्पा के तौर पर हुई है, ये सभी हनुर तालुक के कोप्पा गांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार देर रात ये तीनों किसी जरूरी काम से कोप्पा गांव से आर.एस. डोडी होते हुए कोल्लेगल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी और बिना रुके वहां से भाग गई। जोरदार टक्कर की वजह से तीनों को बहुत अधिक खून बहने लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर हनूर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए कोल्लेगल सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस ने दुर्घटना वाली जगह पर मिली कार के कुछ हिस्से बरामद कर लिए हैं और फरार कार व ड्राइवर का पता लगाने के लिए आस-पास के इलाकों में सड़क और सीसीटी फुटेज की जांच कर रही है। हनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

पीएम श्री योजना पर फिर से चर्चा शुरू, केंद्र सरकार ने पत्र लिखकर लागू करने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा

तिरुवनंतपुरम । केरल में पीएम श्री योजना पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को दूसरी बार पत्र लिखकर इसके लागू होने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शम्सुद्दीन की ओर से पुष्टि की गई है कि मुख्य सचिव को केंद्र का नया पत्र मिल गया है। एन. शम्सुद्दीन ने कहा कि सरकार के कोई भी फैसला लेने से पहले जरूरी बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री सरकारी स्तर पर और गठबंधन के भीतर इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और अपना रुख बताएंगे। मैं अकेले कोई फैसला नहीं ले सकता।' मंत्री एन. शम्सुद्दीन ने आगे कहा कि सरकार इस बात पर विचार करेगी कि पीएम श्री को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाए या कुछ शर्तों के साथ इसे आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके भविष्य का फैसला मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन की अगुवाई में बातचीत के बाद किया जाएगा। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेतृत्व के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने मुंबई एयरपोर्ट पर 3 करोड़ का सोना जब्त किया, चार लोग गिरफ्तार

मुंबई । डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की ओर से बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 5 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का सोने का बुरादा जब्त किया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कीमती धातुओं की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत दो कर्मचारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि डीआरआई ने 5.5 करोड़ रुपये कीमत की 3.5 किलोग्राम सोने की धूल जब्त की है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एयरपोर्ट के दो कर्मचारी और दो ट्रांजिट यात्री शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर मुंबई एयरपोर्ट के जरिए काम करने वाले सोने की तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा थे। पिछले महीने इसी तरह के एक ऑपरेशन में, डीआरआई ने महाराष्ट्र के नागपुर में एक ट्रेन यात्री से तीन करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का सोना जब्त किया था।

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

12 घंटे में 9 सेंटीमीटर का उछाल

एजेंसी

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। पिछले कुछ दिनों तक स्थिर रहने के बाद, अब नदी के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है। बीते 12 घंटों में गंगा का जलस्तर नौ सेंटीमीटर तक बढ़ चुका है। सेंट्रल वॉटर कमीशन के मुताबिक, गुरुवार रात 8 बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 69.31 मीटर पर पहुंच गया। यह चेतावनी स्तर 70.262 मीटर से अभी भी लगभग 1 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार हो रही बढ़ोतरी ने प्रशासन और घाटों पर रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल गंगा में नावों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। जलस्तर बढ़ने का असर सीधे तौर पर घाटों पर दिख रहा है। कई छोटे घाट अभी भी पानी में डूबे हुए हैं, जिससे वहां दुकान लगाने वाले नाविकों

और दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। तीर्थयात्रियों के लिए भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। वाराणसी के नाविक शिवानंद साहनी ने बताया, 'घाटों पर दुकानदारों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और आने वाले तीर्थयात्रियों को भी परेशानी हो रही है, क्योंकि कपड़े बदलने के लिए कोई जगह नहीं बची है। बाढ़ की वजह से उपलब्ध जगह कम हो गई है, जिससे बहुत ज्यादा भीड़-भाड़ हो गई है और लोगों को धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ रहा है।' उनका कहना है कि घाटों पर जगह की कमी के कारण अव्यवस्था जैसी स्थिति बन गई है। गंगा आरती और स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सीमित जगह में ही अपना काम करना पड़ रहा है। वहीं, जिला प्रशासन ने भी लोगों से सहयोग की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि भीड़ बढ़ने के साथ-साथ चोरी जैसी घटनाओं का भी खतरा बढ़ जाता है। लोगों से कहा गया है कि वे अपने सामान का ध्यान रखें और सतर्क रहें। प्रशासन ने यह भी कहा है कि अगर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या चोरी की घटना दिखती है तो तुरंत प्रशासन को सूचना दें या उस व्यक्ति को प्रशासन के पास लेकर आएं। फिलहाल प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जलस्तर चेतावनी निशान से नीचे है, इसलिए अभी बाढ़ का बड़ा खतरा नहीं है, लेकिन अगर इसी रफ्तार से पानी बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

नगर निकाय चुनाव 2026 : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार सहित किया मतदान,कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने परिवार के साथ 2026 नगर निगम चुनाव के लिए वोट डाला। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, सबसे पहले तो मैं राजस्थान की जनता को आह्वान करूंगा कि ये लोकतंत्र का पर्व है और इस लोकतंत्र के पर्व में हमारे एक-एक वोट का बहुत महत्व है। मैं सभी भाई बहनों से कहना चाहता हूं कि आप मतदान करें और अपने निकायों को पूर्ण रूप से चुनें जिससे हमारा विकास हो सके।' उन्होंने आगे कहा, '...कांग्रेस के राज में लगातार 2 साल तक नगर निकाय के चुनाव होते रहे, लगातार पंचायत चुनाव होते रहे। जब हम सरकार में आए थे तो हमने कहा था कि हम इस पद्धति को समाप्त करेंगे क्योंकि राजस्थान में हर तीन महीने में आचार-संहिता लगती थी और विकास अवरुद्ध होता था। कांग्रेस के लोगों को विकास से कुछ लेना-देना नहीं था... राजस्थान की जनता लगातार इन चुनावों के चक्कर काटती रही। हमने कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' राजस्थान में

लाएंगे। कांग्रेस ने उसमें भी कई रोड़े अटकाने की कोशिश की... क्योंकि ये राजस्थान की जनता का हित था, ये राजस्थान के जनता की समय-पैसों की जो बर्बादी थी, उसे रोकने का प्रयास था, राजस्थान स्थायी विकास करे इसलिए हमने ये कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' करवाएंगे... '

'मेरे लिए एक दिन नस काट लेगी...'

राघव चड्ढा का AAP पर 'एक्स गर्लफ्रेंड' वाला तंज, बोले- 'दिलजले आशिक' जैसी

एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में बढ़ते नशे के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में नशे की समस्या गंभीर होती जा रही है। चड्ढा ने ऐलान किया कि बीजेपी 18 से 30 सितंबर तक 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' निकालेगी। उन्होंने आप की तुलना एक ऐसी 'एक्स गर्लफ्रेंड'से की जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे बढ़ गया लेकिन वह अब भी उससे प्यार करती है। चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने के बावजूद आप लगातार उन्हें लेकर बयान दे रही है।

राघव चड्ढा ने बताया कि बीजेपी नेतृत्व की बैठक में इस यात्रा को लेकर फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर से शुरू होने वाली यह यात्रा 30 सितंबर तक चलेगी और इसका मुख्य मुद्दा पंजाब में नशे की समस्या रहेगा।

चड्ढा ने इस दौरान आम आदमी पार्टी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से आगे बढ़ जाने के बावजूद आप लगातार उनका जिक्र करती रहती है।

उन्होंने कहा, 'आप ऐसी स्थिति में पहुंच गई है कि मैं अब उनके सपनों में भूत की तरह आता हूं।' चड्ढा ने पार्टी की तुलना ऐसी 'एक्स गर्लफ्रेंड' से की जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे बढ़ गया लेकिन वह अब भी उससे प्यार करती है। उन्होंने कहा, 'मुझे चिंता है कि एक दिन वह दिल टूटे प्रेमी की तरह मेरे लिए अपनी कलाई की नस काट ले। मुझे उनकी बहुत चिंता है।' चड्ढा का यह बयान आप की ओर से लगातार उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों के संदर्भ में आया।

पंजाब में नशे की स्थिति पर बात करते हुए चड्ढा ने दावा किया कि राज्य में 'चिट्टा' यानी आम तौर पर हेरोइन के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द, आसानी से उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग नशा खरीदने के लिए उसी तरह कतार में लग रहे हैं जैसे राशन लेने के लिए लगते हैं। चड्ढा ने कहा कि पंजाब की गलियों, मोहल्लों और गांवों में नशा बेचा जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार के उन दावों पर भी सवाल उठाया जिनमें नशे के खिलाफ कार्रवाई में सफलता की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा, 'पंजाब में नशे की स्थिति फिलहाल ऐसी है कि 'चिट्टा' खरीदने के लिए भी लोगों की कतार लग रही है, ठीक वैसे ही जैसे राशन के लिए कतार लगती है। 'चड्ढा ने वाल्मीकि समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह की मौत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि गुलजार सिंह ने अपने बेटे के नशे की लत को लेकर भगवंत मान सरकार से सवाल किया था और न्याय की मांग की थी। चड्ढा ने सवाल उठाया कि क्या अपने परिवार की त्रासदी को लेकर सरकार से जवाब मांगना किसी नागरिक की गलती हो सकती है।

आजम खां की मुश्किलें बढ़ीं

हज समिति की जमीन घोटाला मामले में विजिलेंस ने दर्ज किया केस

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां की कानूनी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। राज्य हज समिति की जमीन की बिक्री में कथित अनियमितता के मामले में विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर ने आजम खां समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में हज समिति को करीब 2.08 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की बात सामने आई है। मामले में आजम खां के अलावा तत्कालीन समिति सचिव लईक अहमद और डॉ. एमएए खान, आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब तथा मुस्तकीम अहमद को आरोपी बनाया गया है। विजिलेंस के अनुसार, आरोपियों ने निजी फर्म को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और जमीन की बिक्री में निर्धारित नियमों की अनदेखी की। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में अनियमितताओं की पुष्टि के बाद विजिलेंस ने धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के

तहत मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह को सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि आजम खां फिलहाल बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड से जुड़े मामले में मिली सजा के चलते जेल में हैं। स्थानीय एमपी-एमएलए अदालत ने आजम खां को 10 साल और अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा सुनाई है। दोनों ने फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील के साथ जमानत अर्जी भी दाखिल की है। हज समिति की जमीन से जुड़ा यह नया मुकदमा ऐसे समय दर्ज हुआ है, जब आजम खां की ओर से हाईकोर्ट में जमानत की कोशिश की जा रही है। नए मामले के बाद उनकी कानूनी स्थिति और जटिल हो गई है। हालांकि, इस एफआईआर का उनकी रिहाई पर सीधा असर क्या होगा, यह आगे की न्यायिक प्रक्रिया और अदालत के आदेश पर निर्भर करेगा।

'क्या आप कश्मीरियों को जेल में देखना चाहते हैं?', वंदे मातरम विवाद पर उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर किया पलटवार

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि वंदे मातरम का पूरा गायन एक कानूनी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने पूछा है कि क्या कांग्रेस चाहती थी कि इसका पालन न करने पर कश्मीरियों को जेल भेजा जाए। उमर ने श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें (कांग्रेस को) इसे संसद में रोकना चाहिए था। लेकिन कानून बन गया है और ऐसे में इसे गाना एक कानूनी ज़िम्मेदारी है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जहां भी राष्ट्रगान गाया जाता है, वहां वंदे मातरम का पूरा गायन कानूनी तौर पर जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं है। यह पूरे देश के लिए है। यह कांग्रेस वाले राज्यों में सरकारी कामों में भी होगा।' कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच हाल ही में इस हफ्ते की शुरुआत में J&K के पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर बहस हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फरूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे। कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने NC से कहा कि

वे हमारे आज़ादी के दीवानों की समझदारी और फैसले का सम्मान करें और गीत के सिर्फ़ पहले दो हिस्से गाकर इंडिया ब्लॉक के साथ खड़े हों। लेकिन, यह सलाह NC को पसंद नहीं आई। NC के विधायक और सीएम उमर अब्दुल्ला के करीबी तनवीर सादिक ने कांग्रेस सीएम रेवंत रेड्डी (तेलंगाना) और डीके शिवकुमार (कर्नाटक) के राष्ट्रीय गीत के पूरे गाने के दौरान खड़े होने के वीडियो पोस्ट करते हुए पलटवार किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वंदे मातरम के दौरान खड़े न होने के कानूनी नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, 'तो, कांग्रेस क्या चाहती है? कि कश्मीरियों को इस वजह से जेल में डाल दिया जाए? यह एक कानूनी ज़िम्मेदारी है। ' उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह दुआ करते हैं कि कांग्रेस सत्ता में वापस आए और उस कानून को खत्म कर दे जो वंदे मातरम को पूरा गाना जरूरी बनाता है। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि कांग्रेस सरकार जल्द ही (सत्ता में) आए और पार्लियामेंट में इसे खत्म कर दे। हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारी पार्टी ने कभी वंदे मातरम को स्वीकार नहीं किया है। हम इसे भविष्य में भी स्वीकार नहीं करेंगे। लेकिन हमें अपनी कानूनी और कानूनी ज़िम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को एस. जयशंकर सहित कई नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का 76वां जन्मदिवस है। उनका जन्म 11 सितंबर, 1950 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में हुआ था। उनके जन्मदिन के अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'मोहन भागवत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका राष्ट्र के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना है। मुझे विश्वास है कि आगे भी आपका मार्गदर्शन हमें निरंतर प्राप्त होता रहेगा।' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व, मोहन भागवत जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र के

सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने में आपका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहा है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। ' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'भारतीय संस्कृति और सनातन राष्ट्रचेतना के प्रखर संवाहक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ' रेखा गुप्ता ने आगे लिखा, 'श्रद्धेय भागवत जी का जीवन संगठन, समरसता और राष्ट्रनिष्ठा की उस तपस्या का प्रतीक है, जो व्यक्ति से ऊपर समाज और समाज से ऊपर राष्ट्र को रखती है। भारतबोध को सुदृढ़ करने, सामाजिक एकात्मता को गहरा करने और नई पीढ़ी में कर्तव्य, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा का संस्कार जागृत करने वाला उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रकार्य के लिए सतत ऊर्जा प्रदान करें। ' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के प्रति समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका सरल व्यक्तित्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और समाज को एकजुट करने का सतत प्रयास हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। बाबा केदार से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। ' उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं। अनुशासन, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता की भावना से जन-जन को जोड़ने वाले पूज्य सरसंघचालक जी का जीवन हर स्वयंसेवक और भारतवासी के लिए प्रेरणा का अटूट स्रोत है।

प्राइवेट स्कूल शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय कल्याण योजना की मांग

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के निजी स्कूल शिक्षकों के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कल्याण ढांचा (National Welfare Framework) तैयार करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यों से जवाब मांगा है।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने ऑल इंडिया टीचर्स फेडरेशन की नेशनल कोऑर्डिनेटर लिगिमोल जॉर्ज की ओर से दायर याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है।

याचिका में क्या मांग है?

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता निजी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों के लिए पूरे देश में एक समान और व्यापक वेलफेयर फ्रेमवर्क बनाने की मांग कर रही हैं। इसमें शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण से जुड़े उपाय शामिल किए जाने की मांग है। याचिकाकर्ता ने न्यायालय में यह तर्क देते हुए याचिका दायर

की कि निजी स्कूल के शिक्षक भारत के शिक्षण कार्यबल (India Teaching Workforce) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उनके कल्याण के लिए कोई समर्पित राष्ट्रीय वैधानिक तंत्र मौजूद नहीं है। अतः, राज्यों में कल्याणकारी उपायों के समन्वय और निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय निजी स्कूल शिक्षक कल्याण बोर्ड या इसी तरह का कोई संस्थागत तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। इसको लेकर यह सुझाव दिया गया। याचिका के अनुसार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 जैसे मौजूदा कानून निजी स्कूल शिक्षकों को पात्रता आवश्यकताओं और राज्य-विशिष्ट नियमों के आधार पर केवल सीमित या खंडित सुरक्षा प्रदान करते हैं। याचिकाकर्ता ने समस्या की गंभीरता को उजागर करने के लिए DISE+ 2023-24 के आंकड़ों का हवाला दिया। इन आंकड़ों के अनुसार, भारत भर में मान्यता प्राप्त निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में 37,30,047 शिक्षक कार्यरत हैं।

याचिका के अनुसार, कई निजी स्कूल शिक्षक संविदात्मक, अस्थायी, तदर्थ, निश्चित वेतन या वार्षिक रूप से नवीकरणीय नियुक्तियों पर काम करते हैं और सुनिश्चित पेंशन, पर्याप्त चिकित्सा सहायता, बीमा, दिव्यांगत सुरक्षा या अन्य सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों के बिना सेवानिवृत्त होते हैं। यह तर्क दिया गया कि एकसमान कल्याणकारी सुरक्षा के अभाव के परिणामस्वरूप राज्यों और संस्थानों में काफी हद तक समान कार्य करने वाले शिक्षकों के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं होता है। महाराष्ट्र के मीरा रोड स्थित एक स्कूल का एक सर्कुलर इन दिनों चर्चा में है। स्कूल ने छात्रों के टिफिन को लेकर ऐसा निर्देश जारी किया, जिसके बाद राजनीतिक दलों ने सवाल खड़े कर दिए। मामला बढ़ा तो स्कूल को अपने फैसले पर पीछे हटना पड़ा।

आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर ओम बिड़ला समेत केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। भूदान आंदोलन के जनक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक, भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल, एस. जयशंकर और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने श्रद्धांजलि दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आचार्य विनोबा भावे का जीवन त्याग, साधना और लोकसेवा का अद्भुत उदाहरण रहा। महात्मा गांधी जी के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की और आगे चलकर ग्राम स्वराज, आत्मनिर्भरता, अहिंसा तथा सामाजिक पुनर्निर्माण को अपने जीवन का प्रमुख ध्येय बनाया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने भूमि के असमान वितरण और ग्रामीण समाज की समस्याओं को समझते हुए 'भूदान आंदोलन' की शुरुआत की। उनका प्रयास था कि भूमिसंपन्न लोग स्वेच्छा से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीन परिवारों को दें, ताकि समाज में आर्थिक असमानता कम हो और वंचित लोगों को सम्मानजनक जीवन का अवसर मिले। आगे चलकर यह पहल एक व्यापक 'भूदान-ग्रामदान आंदोलन' के रूप में विकसित हुई।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'विनोबा भावे का विश्वास था कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानून और सत्ता के माध्यम से नहीं, बल्कि व्यक्ति के हृदय परिवर्तन और स्वैच्छिक सहयोग से भी संभव है। इसी विचार के साथ उन्होंने देशभर में पदयात्राएँ कीं और लोगों को अहिंसा, सहयोग, त्याग तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और सामाजिक समरसता को अपने जीवन का आधार बनाकर समाज में समानता और न्याय की नई चेतना जगाने वाले महान विचारक, गांधीवादी चिंतक और भूदान आंदोलन के प्रणेता भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती पर उनका सादर स्मरण। ' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। '

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात समाज सुधारक, 'भूदान आंदोलन' के प्रणेता, 'भारत रत्न' आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन करता हूं।

17 सितंबर को शाम सात बजे प्रदेश के सभी लाभार्थियों के घरों में प्रज्वलित होंगे दीप : हेमंत खण्डेलवाल

प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने कार्यों से वैश्विक स्तर पर भारत का मान, सम्मान बढ़ाया : सीएम डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलाए जाने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर शुक्रवार भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की इस सेवा यात्रा से जन-जन को परिचित कराने और सेवा के संस्कार को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। यह केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, सुशासन और जनभागीदारी का व्यापक अभियान है। प्रधानमंत्री जी के सेवा-संकल्प से प्रेरणा लेकर विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सेवा व समपर्ण के 25 वर्ष जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। भाजपा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के मध्य 12 अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए 71 हजार से अधिक बूथों के लाभार्थियों तक पहुंचेगी।

17 सितंबर को प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। 17 सितंबर को शाम सात बजे प्रदेश के 71 हजार से अधिक बूथों के हर लाभार्थियों के घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित किया जाएगा। 07 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री जी के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। 25 वर्षों तक लगातार जनता का आशीर्वाद पाना लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। प्रधानमंत्री जी के लिए सेवा केवल संकल्प नहीं, जीवन का ध्येय है और यही भाव इस अभियान की आत्मा बनेगा। जनसेवा और समर्पण के इस ऐतिहासिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ही अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सेवा के 25 वर्ष सत्ता के नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के 25 वर्ष हैं। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक उन्होंने प्रत्येक भूमिका में स्वयं को शासक नहीं, बल्कि जनसेवक माना है। प्रधानमंत्री जी ने सार्वजनिक जीवन को पद नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम बनाया। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाना सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। प्रधानमंत्री जी का जीवन बताता है कि बड़ा नेतृत्व अचानक नहीं बनता। उसके पीछे बचपन के संस्कार, संघर्ष का अनुभव, समाज से निकटता, संगठन की तपस्या और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण होता है। गुजरात के वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री जी ने बचपन से अभाव, परिश्रम और सामान्य जनजीवन को करीब से देखा है। यही कारण है कि समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति संवेदना उनके व्यक्तित्व का स्वाभाविक हिस्सा बनी। प्रधानमंत्री जी को माताजी से मिले सादगी, श्रम, अनुशासन और ईमानदारी के संस्कारों ने उनके व्यक्तित्व को मजबूत किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क ने उनके भीतर सेवा, अनुशासन, राष्ट्रप्रथम और समाज के बीच रहकर काम करने की भावना को संगठित दिशा दी। प्रचारक जीवन में उन्होंने गांव-गांव, प्रदेश-प्रदेश प्रवास किया। उन्होंने समाज के अलग-अलग वर्गों की पीड़ा, अपेक्षा और शक्ति के साथ समाज की विविधता, समस्याओं और उसकी शक्ति को समझने का अवसर दिया।

पीएस ने अमोना के ग्रामीणों से पूछा -बिजली कैसी मिल रही हैं

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत दौरा, सोलर-विंड संयंत्र भी देखे

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने शुक्रवार को देवास जिले का भ्रमण किया। प्रमुख सचिव श्री सिंह की मौजूदगी में

देवास जिले के टोंकखुर्द विकासखंड के अमोना ग्राम में जन चौपाल भी लगाई गई। इस दौरान घरेलू, कृषि, गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं से संवाद किया। प्रमुख सचिव श्री सिंह ने ग्रामीणों से पूछा कि आपको बिजली कैसी मिल रही है, सिंचाई के लिए कंपनी द्वारा आपको बिजली किस तरह दी जा रही है। आपको किस तरह सब्सिडी मिल रही है, आपके गांव में बिजली बिल भरने वालों की संख्या कितनी है। ग्रामीणों ने बिजली की स्थिति संतोषजनक बताई, अन्य शासकीय योजनाओं के बारे में भी प्रमुख सचिव ने जानकारी ली। इस दौरान मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह भी मौजूद थे। जन चौपाल के बाद प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने कुसुम अ योजना अंतर्गत ग्राम अमोना में स्थापित दो मेगावॉट एवं डेढ़ मेगावॉट क्षमता के संयंत्रों का निरीक्षण किया व उत्पादित होने वाली बिजली के बारे में जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने देवास जिले के 132 केवी चांदगढ़ सब स्टेशन के समीप स्थित 150 मैगावाट के विंड एनर्जी संयंत्र का निरीक्षण भी किया। उन्होंने पौध-रोपण भी किया।

मुख्य सचिव ने धार में यशस्वी हितग्राहियों और सफल उद्यमियों से किया संवाद

उद्यमियों की सफलता युवाओं की आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरणा : मुख्य सचिव बर्णवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने शुक्रवार को धार में ''मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026'' के तहत आयोजित ''यशस्वी संवाद एवं उद्यमी संवाद'' कार्यक्रम में यशस्वी हितग्राहियों, उद्यमियों, प्रगतिशील किसानों और खेल प्रतिभाओं से प्रत्यक्ष संवाद किया। मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने यशस्वी प्रतिभागियों की सफलता की कहानियां सुनीं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रत्यक्ष संवाद से आत्मनिर्भरता, स्थानीय उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही शासन और नागरिकों के बीच सहभागिता तथा विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा केवल अनुदान या ऋण वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, उन्हें रोजगार देने वाला बनाना है। मध्यप्रदेश में एमपी एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 एवं एमपी स्टार्ट-अप योजना-2025 के माध्यम से नवाचार को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मौके पर विधायक श्रीमती नीना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेडा, अन्य जनप्रतिनिधि, सचिव मुख्यमंत्री डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से श्री प्रभांशु पंड्या, धार (उम्र 28 वर्ष, कोशल्यम लर्निंग सॉल्यूशन) ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित कर 13 युवाओं को रोजगार एवं 50 लाख का टर्नओवर अर्जित करने और उन्हें पीएम एडमिनिस्ट्रेटर पुरस्कार के लिये नामांकित करने के बारे में जानकारी दी। इस संवाद में हथकरघा एवं उद्यानिकी क्षेत्र में कार्यरत श्रीमती नेहा जायसवाल, मांडव ने ब्लॉक (बाग प्रिंट) एवं हथकरघा से महिला समूह की महिलाओं को 15 से 18 हजार रूपये प्रतिमाह आय से आत्मनिर्भर बनाने तथा श्री लखन-मोहनलाल पाटीदार, रूपाखेड़ा ने पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से 18 लाख प्रति एकड़ लाभ तथा श्री लखन पाटीदार, तिलगारा ने ऑटोमेशन आधारित ब्लूबेरी खेती से 1000 वर्गमीटर में 4.50 लाख की आय अर्जित कर 23 किसानों को प्रेरित करने के बारे में बताया। प्रगतिशील कृषक श्रीमती संगीता भाभर, देवधा ने देशी बीज बैंक में 6 क्विंटल पारंपरिक बीजों का संरक्षण और 234 किसानों को बायो-इनपुट उपलब्ध कराने के बारे में विस्तार से बताया। उद्यम संवाद में श्री कपिल अग्रवाल, श्री नकुल जोशी, श्री दीपक भारती, बैडमिंटन खिलाड़ी श्री सौरभ वर्मा, मेद्यावी छात्रा अंशिका सादलपुर, उद्योगपति जेतपुरा के मुजिबुर्रहमान, मलखंब खिलाड़ी जयपाल आदि ने भी अपनी सफलता की कहानी बताते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिय। रूपाखेड़ा के प्रगतिशील किसान श्री लखन पाटीदार ने की जा रही फूलों की खेती के बारे में बताया और स्वयं द्वारा उत्पादित फूलों का गुलदस्ता भेंटकर मुख्य सचिव श्री बर्णवाल एवं डॉ. खाड़े का स्वागत किया। मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने सभी यशस्वी उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि इनकी उपलब्धियां अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों का सरलीकरण कर प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए।

महिला एवं बाल विकास आयुक्त संदीप ने इंदौर में बाल संस्थाओं का किया निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

आयुक्त महिला एवं बाल विकास श्री संदीप जी.आर. ने पदभार संभालते ही विभागीय योजनाओं और संस्थाओं की जमीनी स्थिति की पड़ताल शुरू कर दी है। शुक्रवार को उन्होंने इंदौर पहुंचकर छावनी स्थित राजकीय बाल आश्रम, ऑब्जर्वेशन होम (संप्रेक्षण गृह), स्पेशल होम और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को जाना तथा संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। राजकीय बाल आश्रम के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय बातचीत की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध

कराई जा रही शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थाओं में बच्चों से संबंधित सभी अभिलेख व्यवस्थित और अद्यतन रूप से संधारित किए जाएं। इसके बाद ऑब्जर्वेशन होम और स्पेशल होम पहुंचे आयुक्त ने वहां रह रहे बच्चों से भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने बच्चों की समस्याओं, पढ़ाई और कैरियर को लेकर उनकी रुचियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल संस्थाओं में रह रहे बच्चों की नियमित पढ़ाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल संस्थागत सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी जरूरी है।

बर्ड गार्ड और बर्ड एक्स्क्रीटा प्रिवेंटर से विंध्य क्षेत्र में पक्षीजनित ट्रिपिंग नियंत्रित करने में एम पी ट्रांसको को मिली सफलता

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि जंगलों, जलाशयों और नदी तटीय क्षेत्रों से गुजरने वाली ट्रांसमिशन लाइनों में पक्षियों की गतिविधियों के कारण होने वाली ट्रिपिंग को रोकने के लिए मध्यप्रदेश

पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा विंध्य क्षेत्र में विशेष तकनीकी उपाय किए जा रहे हैं। रीवा, सतना, पन्ना, सीधी और सिंगरौली जिलों के पक्षी संवेदनशील क्षेत्रों से गुजरने वाली 132 केवी एवं 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के टावरों पर बर्ड फ्लाइट डाइवर्टर (बीएफडी), बर्ड गार्ड एवं बर्ड एक्स्क्रीटा प्रिवेंटर लगाए जा रहे हैं। एमपी ट्रांसको रीवा सतना के कार्यपालन अभियंता श्री अमित कुमार के अनुसार वर्ष 2025-26 में पक्षियों के कारण रीवा क्षेत्र की ट्रांसमिशन लाइनों में लगभग 20 ट्रिपिंग दर्ज की गई थीं। इन घटनाओं के तकनीकी विश्लेषण के बाद संवेदनशील स्थानों पर बर्ड गार्ड एवं बर्ड एक्स्क्रीटा प्रिवेंटर लगाने का निर्णय लिया गया। इनके उपयोग के बाद पक्षीजनित ट्रिपिंग की घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं। स्थानीय परिस्थितियों और पक्षियों के व्यवहार को ध्यान में रखकर किए गए ये तकनीकी उपाय प्रभावी साबित हो रहे हैं। जंगलों एवं जलाशयों के आसपास से गुजरने वाली ट्रांसमिशन लाइनों के टावर पक्षियों के लिए बैठने और घोंसला बनाने का स्थान बन जाते हैं। टावर पर बैठकर पक्षियों द्वारा मलमूत्र त्यागने से यह पदार्थ इंसुलेटर डिस्क पर जमा हो सकता है। बारिश या अधिक नमी की स्थिति में इसकी विद्युत चालकता बढ़ने से फ्लैशओवर और लाइन ट्रिपिंग की स्थिति बन सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए बर्ड गार्ड को टावर के क्रॉसआर्म के किनारों पर लगाया जाता है। इसकी संरचना पक्षियों को वहां बैठने और घोंसला बनाने में कठिनाई पैदा करती है।

विगत दस दिनों में 1 करोड़ 89लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

मध्यप्रदेश पुलिस की चोरी एवं नकबजनी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में चोरी, नकबजनी एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सघन एवं त्वरित कार्रवाई की जा रही है। विगत 10 दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस टीमों ने ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना एवं त्वरित पुलिस कार्रवाई के माध्यम से,ञ्जरू कटिंग, गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, ट्रांसफार्मर ऑयल चोरी, धार्मिक स्थलों में चोरी तथा सूने मकानों में नकबजनी की अनेक वारदातों का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 1 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की चोरी की संपत्ति जब्तकी है। थाना राऊ पुलिस ने लिफ्ट से चोरी हुए 8 लाख रुपये की राशि के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर पूरी राशि जब्त की। वहीं सराफा पुलिस ने डिलीवरी पार्सल से चोरी हुए 273 ग्राम सोने के मामले का खुलासा करते हुए लगभग 40 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। दोनों कार्रवाइयों में लगभग 48 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने अंतरजिला विद्युत ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 04 आरोपियों

को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 1860 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल तथा 03 वाहन सहित लगभग 22 लाख 09 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्रवाई में चोरी की घटना का खुलासा कर 01 आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने की झुमकी, मोबाइल, 8 हजार रुपये नगद एवं चोरी की गई 02 मोटरसाइकिल सहित लगभग 2 लाख 35 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इसके अतिरिक्त पुलिस ने किसानों के खेतों से ड्रीप लाइन चोरी करने वाले गिरोह के 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर 138 ड्रीप लाइन पाइप के बंडल एवं पिकअप वाहन सहित लगभग 4 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। वहीं नर्मदा परिक्रमा मार्ग स्थित टोकसर मंदिर परिसर में चोरी करने वाले 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर दानपेटी से चोरी किए गए 3,703 रुपये नगद, दानपेटी एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित लगभग 80 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। इन सभी कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 30 लाख 14 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। मंदसौर पुलिस ने 05 राज्यों में 17 स्थानों पर नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए लगभग 20 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। वहीं थाना गरोठ पुलिस ने बैंक ऑफ इंडिया गरोठ के,ञ्जरूको गैस कटर से काटने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से लगभग 6 लाख रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त कार, गैस कटर, सिलेंडर,ञ्जरूपार्ट्स एवं अन्य सामग्री जब्त की। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 26 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

गोविंदपुरा में 1.43 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

अयोध्या नगर को आदर्श नगर के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कलयाण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविन्दपुरा में विकास कार्यों का भूमि-पूजन करते हुए कहा कि नागरिकों को सर्वसुविधायुक्त वातावरण प्रदान करना तथा अयोध्या नगर को एक आदर्श नगर के रूप में स्थापित करना सरकार का संकल्प है। विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा और वर्षाकाल में जलभराव से होने वाली समस्या से स्थायी मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 68 स्थित अयोध्या नगर में लगभग 1.43 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न

अवसंरचनात्मक एवं नागरिक सुविधा संबंधी विकास कार्यों का भूमि- पूजन किया। इन निर्माण कार्यों में मुख्य रूप से उच्च गुणवत्ता युक्त सीमेंट-कंक्रीट (सीसी) सड़कों का निर्माण, सुदृढ़ आरसीसी नालियों का विस्तार, पेविंग ब्लॉक आच्छादन तथा सामुदायिक परिसंपत्तियों का जीर्णोद्धार शामिल है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने अयोध्या नगर के जी सेक्टर में 34 लाख रूपये तथा एल सेक्टर में 42 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़कों का शिलान्यास, जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से के सेक्टर में रोटरी से इसरो नाले तक 33 लाख रूपये तथा द होम्स से अभिनव होम्स फेस-4 तक 9 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली आरसीसी नालियों का भूमि-पूजन एवं वर्धमान ग्रीन में 11 लाख रूपये की लागत से सीसी सड़क एवं संतोषी बिहार में 14 लाख रूपये की लागत से सड़क, नाली, पेविंग ब्लॉक तथा कम्युनिटी हॉल की छत के मरम्मत कार्यों का शुभारंभ किया।

नायब तहसीलदार और रीडर की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

मुख्य सचिव ने समाधान ऑनलाइन के साथ की विभागीय कार्यों की समीक्षा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत धार में समाधान ऑनलाइन के साथ विभागीय कार्यों एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से बात करें और शिकायतों का एक्टिव रिव्यू शुरू करें। सौ दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक शिकायत की समीक्षा कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। समाधान ऑनलाइन में शिकायतकर्ता जुबे खां की पुलिस प्रकरण से संबंधित शिकायत सुनी गई। प्रकरण का निराकरण हो चुका था। मुख्य सचिव ने संबंधित थाने द्वारा की गई देरी को लेकर पुलिस अधीक्षक को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक को थानों की समीक्षा करने तथा प्रकरणों में चालान लंबित नहीं रखने और प्रत्येक कार्य के लिए समय-सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता सुरेश कुमावत के घर जलने के प्रकरण में राशि मिलने में हुए विलंब पर मुख्य सचिव ने संबंधित समय के नायब तहसीलदार एवं रीडर की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। पेयजल योजना अंतर्गत शिकायतकर्ता पप्पू मंडलोई की पाइपलाइन फूटने की शिकायत 107 दिवस से लंबित थी। मुख्य सचिव ने

नल-जल योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए सिस्टम विकसित करने तथा जिला पंचायत सीईओ को लगातार निगरानी रखते हुए प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश दिए। निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना से संबंधित शिकायतकर्ता श्रीमती बसंती पिता पहाड़ की शिकायत का निराकरण हो चुका था। मुख्य सचिव ने सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया कि इस प्रकार की सभी लंबित शिकायतों का एक सप्ताह में निराकरण सुनिश्चित करें। स्वरोजगार योजना में सब्सिडी नहीं मिलने की शिकायतकर्ता दीप कुमार दांगी तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की किस्त प्राप्त नहीं होने की शिकायतकर्ता कशिश जाधव की शिकायत भी सुनी गई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर को संबंधित प्रकरणों में एंबुलेंस की राशि काटने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग को एनआरसी में बच्चों को भर्ती कराकर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सबसे अधिक लंबित शिकायत वाले विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। प्रत्येक विभाग की अलग-अलग समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण के साथ उनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देने को कहा। बैठक में स्वामित्व योजना की तैयारियों, प्लॉट रजिस्ट्री प्रदान करने तथा अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान सचिव मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर संभागायुक्त श्री भास्कर लक्षकार, कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

क्या ज्यादा देसी घी खाने से हो जाती है गॉल ब्लैडर में पथरी, गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट से जानें

भारतीयों में अधिकतर मानते हैं कि देसी घी एक तरह का सुपरफूड है. पर क्या इसे ज्यादा खाने से पित की थैली में पथरी बन सकती है. जानिए एक्सपर्ट ने इस पर क्या कहा? साथ ही किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए.

स्टोन की समस्या अगर किसी हेल्दी फूड की वजह से हो, तो ये बहुत चौंकाने वाला है. यहां हम देसी घी और गॉल ब्लैडर में स्टोन के बीच क्या कनेक्शन है, ये आपको बताने जा रहे हैं. सवाल है कि क्या ज्यादा देसी घी खाने से पित्त की थैली में पथरी की शिकायत हो सकती है. गॉल ब्लैडर में स्टोन कैसे बनता है ये जान लेना जरूरी है. एक्सपर्ट बताते हैं कि शुरुआत में हमारी पित्त की थैली में एक लेयर बनने लगती है.

मेडिकली इसे कोलेस्ट्रॉल की लेयर कहा जाता है. देसी घी ज्यादा खाया जाए तो कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने की शिकायत भी हो सकती है. इसलिए सवाल उठता है कि क्या गॉल ब्लैडर में स्टोन का कारण देसी घी भी है. चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैंज

क्या देसी घी बतना है पथरी की वजह?

डॉक्टर जतींदर सिंह भोगल (सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, कैलाश दीपिक हॉस्पिटल) कहते हैं कि ज्यादा घी खाने से सीधे गॉल ब्लैडर में पथरी हो जाएगी, ऐसा जरूरी नहीं है. पथरी तब बनती है जब पित्त में कुछ चीजों का संतुलन बिगड़ जाता है. पित्त हमारे शरीर में फैट को पचाने में मदद करता है और ज्यादातर पथरी कोलेस्ट्रॉल से बनती है.

लेकिन ज्यादा घी खाना भी ठीक नहीं है. घी में सैचुरेटेड फैट और कैलोरी काफी होती हैं. अगर लंबे समय तक जरूरत से ज्यादा फैट और कैलोरी ली जाएं, तो वजन बढ़ सकता है और कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है. ये दोनों चीजें गॉल ब्लैडर में पथरी का खतरा बढ़ा सकती हैं. इसलिए सिर्फ घी को पथरी की वजह नहीं कह सकते, लेकिन इसे जरूरत से ज्यादा खाना जरूर नुकसान कर सकता है.

अगर किसी को पहले से पथरी है, तो ज्यादा घी खाने के बाद परेशानी शुरू हो सकती है. फैटी चीजें खाने पर गॉल ब्लैडर सिकुड़ता है और पित्त बाहर निकालता है. इस दौरान पथरी हिलकर रास्ता रोक सकती है, जिससे अचानक तेज दर्द हो सकता है.

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

अगर पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में तेज दर्द हो, दर्द पीठ या दाहिने कंधे तक जाए, बुखार आए, बार बार उल्टी हो या आंखें और त्वचा पीली पड़ने लगे, तो इसे नजरअंदाज न करें. ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं और जांच करवाएं.

देसी घी खाने से बढ़ते हैं लक्षण

डॉक्टर अनिल अरोड़ा (चेयरमैन ऑफ द लिवर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं पैंक्रियाटिको-बिलियरी साइंसेज, सर गंगा राम हॉस्पिटल) कहते हैं कि गॉल ब्लैडर स्टोन डिजीज एक मेटाबॉलिक प्रॉब्लम से होता है. सब नहीं जानते कि ये डिजीज लिपिड की वजह से होता है या ब्लड में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से होता है. एक्सपर्ट कहते हैं कि लिपिड, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल और ड्राई गिलिस्ट्राइड से गॉल ब्लैडर में स्टोन बनने का कोई तालूक नहीं है. लेकिन एक ये दिक्कत हो गई

कॉकरोच से लगे झटके के बाद अपनी छवि सुधारने की तैयारी में मोदी

आने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन मोदी को भारत और अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने का एक खास मौका देता है। सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं, जो भारत के बढ़ते प्रभाव और आर्थिक क्षमता को दिखाते हैं। मौजूदा आर्थिक संकट के कारण मोदी आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए कदम उठा रहे हैं।खबरों के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और विदेश की कई चुनौतियों के बीच अपनी जनछवि को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। भारत जैसे विविध और बड़ी आबादी वाले देश के नेता के तौर पर, मोदी लोगों का मज़बूत समर्थन बनाए रखने की अहमियत समझते हैं। जिन लोगों की वे सेवा करते हैं, उनकी बात सुनना भरोसा बढ़ाने और असरदार शासन सुनिश्चित करने के लिए बहुत ज़रूरी है।इंडिया टुडे और सीवोटर मूड ऑफ़ द नेशन सर्वे के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि मोदी की लोकप्रियता घटकर 49 प्रतिशत हो गई है। इसके मुकाबले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी की लोकप्रियता 27 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। चुनावी अनुमानों में, भाजपा के 24 लोकसभा सीटें हारने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को 26 सीटें अधिक मिल सकती हैं। इससे पता चलता है कि आर्थिक मुद्दे वोटरों की चिंताओं में सबसे ऊपर हैं। सच तो यह है कि उनकी जगह कोई दूसरा नेता नहीं ले सकता। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, और वोटरों की चिंताओं को दूर करने के लिए उन्हें अपनी सार्वजनिक छवि को नए सिरे से पेश करना ज़रूरी है। आर्थिक सुधार और नौकरियां पैदा करने पर ज़ोर देने से उनके नेतृत्व में भरोसा फिर से कायम करने में मदद मिल सकती है। 2014 में पद संभालने के बाद से, मोदी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने उनके नेतृत्व के बारे में लोगों की राय और भरोसे को प्रभावित किया है। हालांकि इतने सालों में उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता काफी हद तक बनी रही है, लेकिन 2024 में उन्हें एक झटका लगा जब वे चुनावों में बहुमत हासिल नहीं कर पाए। 2029 के चुनाव में वे चौथी बार अपनी पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फिर भी, उनके नेतृत्व की जांच-परख हो रही है, खासकर आर्थिक मंदी, बढ़ती बेरोज़गारी और कोविड-19 महामारी के बुरे असर जैसी बड़ी मुश्किलों के बीच। इन घटनाओं ने विपक्षी दलों, आर्थिक विशेषज्ञों और आम जनता की आलोचना को जन्म दिया है, जिससे उन नागरिकों में नाराज़गी बढ़ी है जिनकी नौकरियां चली गईं और महामारी के लॉक डाउन के दौरान जिनके कारोबार बंद हो गए। हाल ही में, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सामने आने से वह और उनकी सरकार के लोग हैरान हैं।बुकर प्राइज़ विजेता लेखिका अरुंधति रॉय ने कहा है, %पीएम मोदी की छवि, जिसे करोड़ों रुपये खर्च करके 24 सालों में बनाया गया था, उसे सीजेपी ने दो हफ्तों में ही बर्बाद कर दिया।% मोदी के मुख्य लक्ष्यों में से एक है वैश्विक मंच पर अपनी छवि को बेहतर बनाना, खासकर तब जब भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में अहम भूमिका निभा रहा है। घरेलू मुद्दों के अलावा, मोदी जी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कुशलता से काम करना होगा। जैसे-जैसे भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि का असर राजनयिक संबंधों और विदेशी निवेश पर पड़ेगा।अपनी और भारत की छवि को बेहतर बनाने के लिए काम करके, मोदी एक ऐसे नेतृत्व तौर-तरीके पर ज़ोर दे सकते हैं जो समझदार और लोगों से जुड़ा हुआ हो, जिससे वैश्विक राजनीति में भारत की अहमियत बढ़े। अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ जुड़ने और ज़रूरी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से कई मोर्चों पर एक काबिल नेता के तौर पर उनकी प्रतिष्ठा मज़बूत हो सकती है। इकोनॉमी अपडेट्स पाएं

आने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन मोदी को भारत और अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने का एक खास मौका देता है। सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं, जो भारत के बढ़ते प्रभाव और आर्थिक क्षमता को दिखाते हैं।मौजूदा आर्थिक संकट के कारण मोदी आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इन चुनौतियों का डटकर सामना करने के अपने संकल्प को दिखाकर, मोदी वोटरों को यह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि वे देश के भविष्य पर असर डालने वाले मुद्दों को हल करने के लिए कड़े फैसले लेने को तैयार हैं। मोदी के नेतृत्व के तौर-तरीके में मज़बूत राष्ट्रवाद और फैसले लेने की क्षमता दिखती है, जिससे उन्हें वफादार समर्थक मिले हैं। हालांकि, अपनी अपील को व्यापक बनाने के लिए, उन्हें एक ऐसी छवि पेश करने की ज़रूरत हो सकती है जो एकता और विविधता पर ज़ोर दे।क्योंकि राज्य के चुनाव राजनीतिक योजना और रणनीति से तय होते हैं, इसलिए ये बातें ज़्यादा मायने रखती हैं। मोदी अवसंरचनात्मक विकास, डिजिटल बदलाव, कल्याणकारी कार्यक्रमों और स्वास्थ्य देखभाल, और शिक्षा में सुधार के मामले में अपनी सरकार की उपलब्धियों को उजागर कर सकते हैं। इन सफलताओं को दिखाने से एक नेता के तौर पर उनकी काबिलियत साबित हो सकती है और उनकी सार्वजनिक छवि मज़बूत हो सकती है। सरकारी एजेंसियां खोजेंइन लक्ष्यों को पाने के लिए, मोदी कई तरह की संवाद और संचार रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें सोशल मीडिया, सार्वजनिक भाषण और स्थानीय मुद्दों से सीधे जुड़ना शामिल है। उनके भाषण देने के अंदाज़ और जनता से सीधे जुड़ने के तरीके के अच्छे नतीजे मिले हैं। उनके संदेशों में अक्सर सहानुभूति, तत्परता और जवाबदेही पर ज़ोर दिया जाता है–ये ऐसे गुण हैं जो वोटरों, खासकर जो मुश्किल समय में हैं, पर गहरा असर डालते हैं।

निष्कर्ष के तौर पर, अपनी सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के मोदी के प्रयास आंतरिक चुनौतियों और बाहरी धारणाओं से निपटने की एक बहुआयामी रणनीति को दर्शाते हैं। जनभावना, आर्थिक हकीकत और वैश्विक स्थितियों को कुशलता से संभालकर, वह अपने नेतृत्व को मज़बूत करना और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। लगातार बदलते राजनीतिक माहौल में प्रासंगिक बने रहने और समर्थन बनाए रखने के लिए किसी भी नेता के लिए यह व्यापक दृष्टिकोण ज़रूरी है, खासकर तब जब वह भविष्य की चुनावी चुनौतियों की तैयारी कर रहा हो।

सबसे बड़ी बात यह है कि कोई दूसरा नेता ऐसा नज़र नहीं आता जो उनकी लोकप्रियता से कहीं आगे हो।अपनी छवि को फिर से बनाने की मोदी की कोशिशें, अंदरूनी चुनौतियों और बाहरी धारणाओं, दोनों से निपटने की एक बहुआयामी रणनीति को दिखाती हैं।अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों में, भाजपा का मकसद राज्य पर अपना कब्ज़ा बनाए रखना होगा। दूसरे राज्यों में चुनाव जीतना भी ज़रूरी है। भाजपा की चुनावी मशीनरी लगातार काम करती रहती है। मोदीजी को यह पक्का करना चाहिए कि जनता उन्हें एक मज़बूत नेता के तौर पर देखे।

संपादकीय

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर

कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं।

सिमोन द बुवा के देश में नारी उत्पीड़न

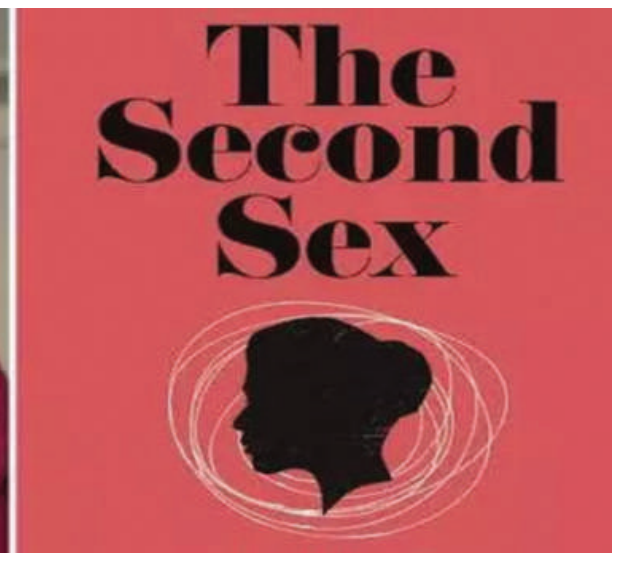

जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा।20वीं सदी के फ्रांस में वैश्विक नारीवाद की अहम किरदार थीं-सिमोन द बुवा। नारी सशक्तीकरण पर उनके मौलिक और क्रांतिकारी विचारों पर दुनिया में आज भी मंथन होता है। सिमोन द बुवा की सुप्रसिद्ध किताब है %द सेकंड सेक्स%। इस किताब में सिमोन कहती हैं कि औरत पैदा नहीं होती है, बल्कि समाज औरत को गढ़ता है। वह बार-बार इस पर ज़ोर देती हैं कि हमारा धर्म, हमारी संस्कृति, हमारा समाज, लड़कियों को मजबूर करता है %स्त्री% बनने के लिए। सिमोन का कहना है कि इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि हमारे धर्म में औरतों की भी पूजा होती है। धर्म तो वास्तव में आदमियों के द्वारा बनाया हुआ एक तरीका है औरतों पर शासन करने का।फ्रांस ने दुनिया को केवल सिमोन द बुवा जैसी अद्भुत नारीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं दी, बल्कि उनसे पहले फ्रांसीसी क्रांति ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अद्भुत विचार दुनिया को दिया। यही लोकतंत्र की नींव बना और भारत के संविधान की बुनियाद भी इसी पर टिकी है। अब इसी फ्रांस में मानवता के लिए जरूरी इन मूल्यों पर कुठाराघात करने का काम किया है बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था यानी बीएपीएस ने। पाठकों को बता दूं कि गुजरात के बोचासन से इस संस्था का संबंध है। अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था का है। हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी।इस संस्था के कहां कितने मंदिर बनते हैं यह अलग मुद्दा है। लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस संप्रदाय में महिला से दूरी बनाए रखने, महिला के साथ अकेले में बात न करने आदि के नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन इससे जुड़े लोग करते हैं। यह भी उनका निजी मामला है कि वे महिला से बात करें न करें। लेकिन पेरिस में मंदिर उद्घाटन के लिए संस्था का जो प्रतिनिधि मंडल पेरिस गया था, उसमें करीब 100 लोग एफिल टावर देखने पहुंचे तो उनके कहने पर वहां पहले बाकायदा महिला कर्मचारियों को हटाया गया।एफिल टावर की कर्मचारी यूनियन की प्रतिनिधि डायने डावोइन के अनुसार, जब प्रतिनिधि मंडल टावर के अंदर से गुजर रहा था, तब महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटने के लिए कहा गया ताकि उनकी जगह पुरुष कर्मचारी खड़े हो सकें। कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ महिलाओं को अपनी पोस्ट छोड़कर दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया, जबकि कुछ स्थानों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। महिला कर्मचारियों को प्रतिनिधि मंडल की मौजूदगी के दौरान कुछ खास इलाकों में जाने या उन्हें पार करने से भी रोका गया।जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा। गौरतलब है कि एफिल टावर दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और इसकी वेबसाइट के अनुसार यहां हर साल करीब 70 लाख लोग आते हैं। फिलहाल पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोआर ने मामले की जांच कराने की घोषणा की है। जबकि एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी एसईटीई ने माना कि हिंदू प्रतिनिधि मंडल की ओर से महिलाओं के साथ बातचीत या संपर्क को सीमित रखने की मांग की गई थी। कंपनी ने कहा कि ऐसी शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। एसईटीई के अध्यक्ष एरियल वेल ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा कि एफिल टावर फ्रांस के गणतांत्रिक मूल्यों तथा महिला और पुरुषों की समानता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था उसके मूल्यों और लैंगिक समानता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी तथा मामले में जांच की जाएगी। वहीं फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष याएल ब्राउन-पिवे ने भी घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों की मांग पूरी करने के लिए महिलाओं को पीछे हटने या सार्वजनिक जीवन से %अदृश्य% होने के लिए नहीं कहा जा सकता। उनका कहना था कि दूसरे लोगों का स्वागत करने का अर्थ यह नहीं है कि फ्रांस अपने मूल्यों से समझौता करे।

फ्रांस की समानता मंत्री ऑरोर बर्जे ने भी कहा कि फ्रांस में महिलाओं से खुद को मिटा देने या पीछे हटने के लिए नहीं कहा जाता और कोई भी धार्मिक विचार गणराज्य के कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता।

फ्रांसीसी सरकार को यह देखने की भी जरूरत है कि उनके भीतर ऐसे कौन लोग बैठे हैं जिन्होंने महिला से दूर रहने जैसे संकीर्णतावादी विचार को बढ़ावा देने में मदद की।

बीएपीएस का तो कहना है कि उसका प्रतिनिधि मंडल बड़ा था, इसलिए उसने एफिल टावर में व्यवस्था को बदलने कहा, लेकिन उसमें लैंगिक भेदभाव की बात नहीं थी। लेकिन जब टावर संचालन करने वाली कंपनी ही मान रही है कि बीएसपीएस की शर्तों को नहीं मानना चाहिए था, तो जरूर कहीं न कहीं लैंगिक भेदभाव हुआ ही होगा। बहरहाल फ्रांस तो इस मामले की जांच अपनी तरह से कर ही लेगा और जिस देश की बुनियाद उदार मानवतावादी मूल्यों पर पड़ी हो, वह खुद को दुरुस्त कर भी लेगा। लेकिन भारत इस वैश्विक शर्मिंदगी से कब और कैसे उबरेगा, यह एक बड़ा सवाल है।बीएसपीएस का मंदिर पेरिस में बना तो नरेन्द्र मोदी ने इसे ग्रेट जॉय बताया था, तो क्या इस घटना के बाद उन्हें ग्रेट शेम महसूस नहीं हुई। क्योंकि बीएपीएस से उनकी नजदीकी बरसों पुरानी है। मोदी का वैवाहिक जीवन कैसा रहा और शादीशुदा होने के बावजूद वे अकेले क्यों रहते हैं, यह उनका निजी मामला है। लेकिन वैश्विक स्तर पर जब एक भारतीय धार्मिक संस्था पर महिलाविरोधी होने के आरोप लगते हैं, तो बतौर प्रधानमंत्री क्या उन्हें बीएपीएस से अपने संबंधों को स्पष्ट नहीं करना चाहिए।वैसे बीएपीएस को भी इस बात पर विचार करना चाहिए कि अगर उन्हें महिलाओं से तकलीफ है, उन्हें देखना भी उनके नियमों में गवारा नहीं है, तो फिर दुनिया भर में मंदिर बनवाने निकले ही क्यों हैं। दुनिया से महिलाओं को तो गायब नहीं किया जा सकता। हो सकता है ये पूरा प्रतिनिधि मंडल चार्टर्ड फ्लाइट से पेरिस गया हो, जिसमें परिचारक ही रहे हों, परिचारिकाएं नहीं। लेकिन फिर वे पेरिस में मंदिर बनवा कर उसी फ्लाइट से भारत वापस आ जाते, उन्हें एफिल टावर या किसी भी विश्वप्रसिद्ध स्थल को देखने की जरूरत ही क्या है।

हमेशा की तरह इस बार भी इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कोई बयान या प्रतिक्रिया नहीं आया है। उन्होंने राष्ट्रपति पद को सही अर्थों में रबर स्टैम्प ही बना दिया है, जो केवल मोदी सरकार के हर फैसले, हर बात पर मुहर लगाती है। याद कीजिए कि जब उन्हें राष्ट्रपति बनाया गया था तो भाजपा ने इस बात का बड़ा श्रेय लिया था उसके शासन में देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिली है। लेकिन उनकी आदिवासी या महिला

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रम्प्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो

खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

'एनिमल चल गई, तो चलो सब वायलेंस करते हैं...' फिल्म इंडस्ट्री की भेड़-चाल वाली सोच पर बोलीं

करीना कपूर

करीना कपूर जल्द ही मेघना गुलजार के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'दायरा' में नजर आने वाली हैं. पृथ्वीराज सुकुमारण भी इस क्राइम मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म का हिस्सा हैं. 18 सितंबर को ये पिक्चर बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है. करीना इस समय फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रही हैं. इस बीच उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की हर्ड मेंटैलिटी यानी भेड़-चाल वाली सोच पर बात की है. उन्होंने अपने कजिन भाई रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि अगर कुछ एक चीज चल जाती है, तो सब उसी तरफ चल पड़ते हैं.

करीना कपूर ने यूट्यूब चैनल Yuvaa के साथ बातचीत में कहा, दर्शक हमारी सोच से कहीं ज्यादा समझदार हैं. उन्हें अच्छी तरह पता होता है कि कौन सी फिल्म अच्छी है और वो उसे देखना चाहते हैं. इसलिए आज सिर्फ ये बात नहीं है कि ये एक यंग लव स्टोरी है, उसमें एक गाना होना चाहिए. ये चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं कि अभी वायलेंस चल रही है, एनिमल चल गई है, तो चलो सभी वायलेंस कर लेते हैं.

अब चीजें बदल रही हैं- करीना कपूर

आगे करीना कपूर ये भी कहती हैं, हमलोग हर्ड मेंटैलिटी के हैं. लेकिन ऐसे भी फिल्ममेकर्स हैं, जो कुछ अलग बनाना चाहते हैं, जो आपकी सोच को झकझोरते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है. मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं. अब दर्शक ट्रेलर देखकर समझ जाते हैं और कहते हैं कि मुझे ये फिल्म देखनी है.

ऑडियंस मदद करेगी- करीना कपूर

करीना ने ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आया है कि फिल्ममेकर्स ये कहकर फिल्म नहीं बना सकते हैं कि ये कॉमेडी है, तो लोग कॉमेडी तो देखने ही जाएंगे. तो ये नहीं है कि हर एक फिल्म 200 करोड़, 500 करोड़ का एक बेंचमार्क सेट करने वाली है. इसलिए हमें लगता है कि हमलोगों को चीजें थोड़ी-बहुत बदलनी चाहिए और ऑडियंस उसमें हमारी मदद करेगी.

शाहरुख खान ने क्यों ठुकराई तिग्मांशु धूलिया की 'घमासान'? पूरी कहानी सुनकर कह दिया NO

फिल्ममेकर तिग्मांशु धूलिया इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'घमासान' के प्रमोशन में बिज़ी हैं. उनकी इस फिल्म में अरशद वारसी और प्रतीक गांधी लीड रोल में हैं. अब एक हालिया इंटरव्यू में तिग्मांशु धुलिया ने खुलासा किया कि प्रतीक गांधी फिल्म के लिए उनकी पहली पसंद नहीं थे. उन्होंने बताया कि वो इस फिल्म के लिए शाहरुख खान को लेना चाहते थे और उन्होंने शाहरुख को फिल्म का ऑफर भी दिया था, लेकिन किंग खान ने फिल्म करने से इनकार कर दिया था.

तिग्मांशु धूलिया ने बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि 'घमासान' की स्क्रिप्ट पूरी होने के बाद उन्हें इसे शाहरुख खान को सुनाया था. फिल्म में प्रतीक गांधी पुलिसवाले के किरदार में हैं. यही पुलिसवाले का रोल तिग्मांशु चाहते थे कि शाहरुख खान करें. वो बताते हैं, जब मैंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट लिख ली, तो मैं शाहरुख खान के पास गया था, जो रोल अभी प्रतीक गांधी ने निभाया है, उसके लिए.

तिग्मांशु आगे बताते हैं, उन्होंने कहानी सुनी और वो तो शाहरुख खान हैं, उनका दिल किसी फुटबॉल फील्ड जैसा है. और ये भी है कि हम दोनों एक दूसरे को दिल से के वक्त से जानते हैं और फिल्म जीरो में तो मैंने उनके पिता का रोल निभाया था..तो उन्होंने स्क्रिप्ट सुनी और मुझसे कहा, 'यार तिशु, मैं इस तरह की रियलिस्टिक पिक्चर नहीं करता हूं यार.

अरशद वारसी क्या बोले ?

बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने कहा कि वो शाहरुख के फैसले को समझते हैं. उन्होंने कहा कि वो किंग खान को लार्जर-दैन-लाइफ रोल्स में ही देखना पसंद करेंगे. अरशद कहते हैं,मैं समझ गया. मैं भी उन्हें टॉम क्रूज की तरह ही देखना पसंद करूंगा. बस. बेचारे अगर कुछ रिएलिस्टिक करेंगे तो मुझे दिक्कत हो जाएगी.

कब रिलीज होगी 'घमासान' ?

'घमासान' में अरशद वारसी ने महाराज नाम के एक डाकू का रोल निभाया है. वहीं प्रतीक गांधी एसटीएफ चीफ के रोल में हैं. फिल्म के ट्रेलर को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. ये फिल्म 11 सितंबर को जी5 पर स्ट्रीम होगी.

अपना रॉकस्टार काज़ी है उधर...पहली बार बिग बॉस देखेंगे अरिजीत सिंह

सलमान खान का कॉन्ट्रोवर्शियल रिएलिटी शो बिग बॉस 20 का आगाज हो चुका है. 6 सितंबर से शो शुरु हुआ है, जिसमें 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया है. इस लिस्ट में फेम गुरुकुल के विनर सिंगर काजी तौकीर भी शामिल हैं. जब से काजी घर में गए हैं उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है. वो अपने गानों और हरकतों से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. उनका रॉकस्टार मीम भी काफी वायरल हो रहा है. इसी बीच सिंगर अरिजीत सिंह ने भी अपने पुराने दोस्त को सपोर्ट किया है.

दरअसल, काजी और अरिजीत सिंह दोनों ने ही फेम गुरुकुल में हिस्सा लिया था और अरिजीत रनरअप रहे थे. वहीं, काजी शो के विनर बने थे. लेकिन दोनों की दोस्ती आज भी बरकरार है. अक्सर काजी अपने सोशल मीडिया पर अरिजित सिंह के साथ तस्वीरें शेयर भी करते रहते हैं. इस बीच अरिजीतने काजी को सपोर्ट करने के लिए बिग बॉस देखने का ऐलान भी कर दिया है.

काजी को मिला अरिजीतसिंह का सपोर्ट

बता दें कि, अरिजीत सिंह ने कभी भी बिग बॉस नहीं देखा है. लेकिन इस बार वो अपने दोस्त के खातिर बिग बॉस देखने वाले हैं.

इस बात का ऐलान सिंगर ने खुद किया है. उन्होंने कहा है कि अपने रॉकस्टार उधर है इसलिए सपोर्ट करना तो बनता है. अरिजीतने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- 'मैं पहली बार बिग बॉस देखने वाला हूं. अपना रॉकस्टार काजी है उधर'.

कुछ समय पहले अरिजीत-काजी की हुई थी मुलाकात

कुछ समय पहले काजी तौकीर ने अरिजीत सिंह के होमटाउन में उनसे मुलाकात की थी. दोनों ने साथ में वक्त बिताया और शहर में घूमने-फिरने का भी मजा लिया. दोनों की साथ में तस्वीरें और वीडियो देखकर उनके फैंस काफी खुश हुए थे. अब अरिजीत सिंह के काजी के सपोर्ट में सामने आने पर भी उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.

अरिजीत सिंह का वर्कफ्रंट

अरिजीत के वर्कफ्रंट की बात करें तो, सिंगर ने प्लबैक सिंगिंग से संन्यास ले लिया है. इस बात का ऐलान सिंगर ने खुद किया था, जिसके बाद उनके फैंस भी काफी निराश हुए थे. हालांकि, अरिजीत एल्बम और लाइव कॉन्सर्ट लगातार कर रहे हैं.

80s ट्रेंड में शामिल हुए

कियारा और सिद्धार्थ

AI से बनी तस्वीर ने जीता फैंस का दिल

अगर कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा 1980 के दशक के बॉलीवुड कपल होते तो कैसे दिखते? एआई के एक वायरल ट्रेंड ने सोशल मीडिया पर लोगों को ऐसा इमेजिन करने का मौका दिया है. सेलिब्रिटी और नेटिजन्स रेट्रो ऐरा के तस्वीरों में अपने लुक को रीक्रिएट कर रहे हैं. इस ट्रेंड को फॉलो करते हुए एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी और सिद्धार्थ की एक एआई तस्वीर शेयर की है, जिसमें दोनों 80 के दशक के स्टार्स की तरह दिख रहें हैं.

कियारा ने बुधवार, 9 सितंबर को इंस्टाग्राम स्टोरी पर ये तस्वीर शेयर की, जिसमें में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा बिल्कुल 80 के दशक के हीरो हीरोइन जैसे नजर आ रहे हैं. सिद्धार्थ ने डबल डेनिम आउटफिट पहना है. इसके साथ उन्होंने डार्क एविएटर सनग्लासेस लगाए हैं, जो उनके लुक को पुराने जमाने के बॉलीवुड हीरो जैसा बना रहे हैं. वहीं, कियारा ने पिंक कलर की पफ स्लीव वाली ड्रेस, हूप ईयररिंग्स और चूड़ियां पहनी हैं. उनका पूरा लुक 80 के दशक की बॉलीवुड एक्ट्रेसेस की याद दिला रहा है. कियारा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे शेयर किया और तस्वीर के साथ लिखा, 80 के दशक में वापसी. वहीं एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म 'द वन' का रोमांटिक गाना 'समझो ना' भी लगाया है.

फैंस हुए दिवाने

कियारा और सिद्धार्थ की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. फैंस को दोनों का रेट्रो लुक काफी पसंद आ रहा है. फैंस ने उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसाना शुरू कर दिया. एक फैन ने लिखा, ये अक्षय कुमार और रवीना टंडन जैसे लग रहे हैं दूसरे फैन ने लिखा, कितना प्यारा कपल है.

कियारा और सिद्धार्थ के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

कियारा आडवाणी हाल ही में गीतू मोहनदास की फिल्म 'टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' में नजर आई थीं. कियारा के साथ फिल्म में यश, नयनतारा, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत भी थे. वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द वन' को लेकर चर्चा में हैं , जिसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, सुनील ग्रोवर और मनीष पॉल भी नजर आएंगे.

ईशान किशन और कौनैन कुरैशी के दम पर ईस्ट जोन ने 13 साल बाद जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

चेन्नई। ईस्ट जोन ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। ईस्ट जोन ने 13 साल के इंतजार को खत्म करते हुए तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती। टीम ने इससे पहले 2012-13 सत्र में खिताब अपने नाम किया था। फाइनल के आखिरी दिन ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 388/7 के स्कोर पर पारी घोषित की। मोहम्मद कौनैन कुरैशी ने 190 गेंदों पर नाबाद 116 रन की पारी खेलकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया, जबकि अनुकूल रॉय ने 64 रन बनाए। घोषणा के साथ ही ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम ने खिताबी जीत का जश्न शुरू कर दिया। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। कप्तान ईशान किशन ने शानदार 270 रन और कुमार कुशाग्र ने 101 रन की पारी खेली थी। किशन ने दूसरी पारी में भी 80 रन बनाए और मैच में कुल 350 रन पूरे किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 और एशियाई खेलों के लिए यश ठाकुर भारतीय टीम में शामिल, चोटिल हर्षित राणा बाहर

नई दिल्ली। विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यश ने चोटिल हर्षित राणा की जगह ली है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी। 27 वर्षीय यश ठाकुर का यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज होगा। उन्होंने जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने दो मैचों में चार विकेट हासिल किए थे। यश को पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्होंने सात मैचों में 18 विकेट लिए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर दो मैचों में चार विकेट लेने के साथ उनका इकॉनमी रेट 9.37 रहा था। तेज गेंदबाज यश ठाकुर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन के दौरान अच्छी प्रगति कर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उनकी रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में खिंचाव आ गया, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश कीः शेफाली वर्मा

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया।

अमित असावाः राजस्थान को अपनी कोचिंग में लगातार दो बार रणजी चैंपियन बनाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे नाम हैं जिन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम मौके मिले। इसकी वजह से उनकी अंदर मौजूद पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं सका। ऐसे खिलाड़ी एक साधारण और गुमनाम क्रिकेटर के रूप में खेल से विदा हो जाते हैं। लेकिन, कुछ ऐसे भी खिलाड़ी होते हैं जो एक क्रिकेटर के तौर मिली असफलता से निराश नहीं होते और कोच के तौर पर बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं। क्रिकेटर के तौर पर असफल लेकिन कोच के तौर पर बड़ी सफलता हासिल करने वाले भारतीय क्रिकेट के प्रमुख नामों में से एक नाम अमित असाव का है। अमित असावा का जन्म 12 सितंबर 1963 को इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ था। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज थे और दाएं हाथ से ऑफ स्पिन गेंदबाजी किया करते थे।

वियतनाम ओपन में तन्वी शर्मा ने मालविका बंसोड़ को हराया

सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को हमवतन सातवीं वरीय मालविका बंसोड़ को कड़े मुकाबले में हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की 27वें नंबर की तन्वी ने मालविका को 21-18, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी।

तीसरी वरीय ईशारानी बरुआ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग को 21-15, 21-18 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। मालविका ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और तन्वी के खिलाफ 13-6 की

आरामदायक बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले 13 में से 10 अंक हासिल किए और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए तन्वी ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और बढ़त लगातार बदलती रही। हालांकि, इस बार मालविका ने अंतिम चरण में बेहतर खेल दिखाया और 21-15 से गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन मध्यांतर के बाद तन्वी ने अपनी गति बढ़ाई और बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मालविका को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना थाईलैंड की टोनरुग साहेंग और सारुनराक वितिदसर्न के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। ईशारानी का सामना रक्षिता श्री या मानसी सिंह में से किसी एक से होगा।

70वीं मंडलीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद की बेटियों ने जीते नौ पदक

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में 70वीं मंडलीय माध्यमिक विद्यालय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले के बालक बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने सात स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता का आयोजन अमरोहा में नौ सितंबर को किया गया था।

मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने बताया कि 70वीं मंडलीय माध्यमिक विद्यालय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जूनियर बालिका वर्ग में 44 किलोग्राम भार वर्ग में पारुल ने स्वर्ण, 53 किलोग्राम में तनु ने रजत, 58 किलोग्राम में आरुषि ने स्वर्ण और 77 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में पूर्णिमा ने स्वर्ण पदक जीता। सीनियर बालिका वर्ग में 44 किलोग्राम में तानिया, 53 किलोग्राम में कसक, 63 किलोग्राम में आन्या कश्यप और 86 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में हैप्पी ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

58 किलोग्राम भार वर्ग में मुस्कान ने रजत पदक जीता। बालक वर्ग में जूनियर वर्ग के 56 किलोग्राम में अर्पित ने कांस्य और 71 किलोग्राम में अक्षत ने रजत पदक जीता। सीनियर वर्ग के 60 किलोग्राम में नकुल चौहान और 79 किलोग्राम में आदित्य ने कांस्य, जबकि 65 किलोग्राम में प्रियांशु ने स्वर्ण पदक जीता।

यूएस ओपनः राइबाकिना ने गॉफ को हराया

सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी

न्यूयॉर्क। कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने शुक्रवार को कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा।

राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा

मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं। गॉफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में गॉफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया। राइबाकिना ने लगातार दबाव बनाते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में राइबाकिना ने एक अतिरिक्त गियर हासिल किया और सर्विस ब्रेक करके 5-3 की बढ़त बना ली। गॉफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन राइबाकिना ने अगले गेम में फिर ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

गॉफ की हार के साथ इस साल किसी भी अमेरिकी महिला या पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सिलसिला भी समाप्त हो गया। यह 2006 के बाद पहली बार है, जब किसी अमेरिकी खिलाड़ी ने साल के किसी भी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह नहीं बनाई है।

एशियाई खेलों के लिए तैयार भारतीय तैराकी टीम को अहमदाबाद में दी गई विदाई

एजेंसी

अहमदाबाद। जापान में होने वाले आगामी आइची-नागोया एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रही भारतीय तैराकी टीम को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में औपचारिक विदाई दी गई। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। विदाई समारोह के साथ भारतीय तैराकी टीम का करीब छह सप्ताह का तैयारी शिविर भी संपन्न हुआ। यह शिविर 01 अगस्त से 10 सितंबर तक वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया था। समारोह में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, ओलंपियन और एशियाई एवं राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता डोला बनर्जी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने तैराकों से बातचीत कर उन्हें आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में उतरने के लिए प्रेरित किया। बनर्जी ने कहा कि पिछले वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों के लिए खेल सुविधाओं और सहयोग प्रणाली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय दल, विशेषकर तैराक, एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय तैराकी टीम के मुख्य कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रदीप कुमार श्रीधरन ने शिविर के दौरान खिलाड़ियों के अनुशासन और मेहनत की सराहना की। साई के क्षेत्रीय निदेशक प्रशांत सिंह ने खिलाड़ियों को संस्थान की ओर से लगातार बेहतर सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। समारोह में भारतीय तैराकी महासंघ के महासचिव मोनाल चोकशी और उपाध्यक्ष कमलेश नानावती समेत अन्य अधिकारी व कोच मौजूद रहे। खिलाड़ियों के लिए पारंपरिक तिलक समारोह भी आयोजित किया गया।

भारतीय तैराकी टीम में शामिल 10 खिलाड़ी:

आकाश मणि, अनीश कुमार गौड़ा, बेनेडिक्शन रोहित, धक्शन, हीर गितेश, साजन प्रकाश (कप्तान), श्रीहरि नटराज, उत्कर्ष संतोष पाटिल, दानुश सुरेश और वेदांत माधवन। टीम के मुख्य कोच प्रदीप कुमार श्रीधरन हैं, जबकि वीर धवल और नटराज वी कोच हैं। सीन केली विदेशी तकनीकी सलाहकार के रूप में टीम से जुड़े हैं।

बांग्लादेश को 40 रन से हराकर भारत 10वीं बार एशिया कप फाइनल में

एजेंसी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 40 रन से हराकर 2026 महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में 10वीं बार प्रवेश किया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 149 रन बनाए।

टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 64 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24, ऋचा घोष ने 21, प्रतिका रावल ने 20 और दीप्ति शर्मा ने 13 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल दो रन बना सकीं, जबकि भारती फुलमाली बिना खाता खोले रन आउट हो गईं।

बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार विकेट गंवाती रही और 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सकी। शोर्ना अख्तर ने 22 रन बनाकर टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 21, कप्तान निगरा सुल्तान ने 19 और शोभना मोस्तरी ने 18 रन बनाए। भारत

की गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। अब भारतीय टीम की नजरें खिताबी मुकाबले में अपना शानदार अभियान पूरा कर एशिया कप ट्रॉफी जीतने पर होंगी।

जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद बना विजेता

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में माध्यमिक विद्यालयों की जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक/ जिला परियोजना अधिकारी मुरादाबाद रितु तोमर के निर्देश पर जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद में किया गया। प्रतियोगिता में सुंदर व आकर्षक प्रस्तुति देते हुए जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । स्कूल बैंड प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ कुलदीप बरनवाल ने अनुशासन व खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने तथा अच्छा प्रदर्शन करने का संदेश दिया। साथ ही कहा कि घोष बैंड का आधार ही अनुशासन है।

प्रतियोगिता में जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज पाक़बड़ा

तथा एसएस इंटर कॉलेज मुरादाबाद की बैंड टीमों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया द्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट के साथ उत्कृष्ट वादन, तालमेल और टीम भावना के साथ बैंड की शानदार प्रस्तुतियां देकर प्रतिभा और अनुशासन का परिचय दिया। निर्णायक के रूप में दिनेश चंद्र शर्मा, वीर सिंह व वंश बहादुर ने बैंड ग्रुप के प्रस्तुतीकरण, वेशभूषा, केश सज्जा, बैंड की सजावट, क्विक मार्च, स्लो मार्च, संगीत, कदमताल, सटीकता, मार्च पास्ट आदि बिंदुओं पर बारीकी से नजर रखते हुए मूल्यांकन किया। जिला नोडल अधिकारी/ प्रवक्ता जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद बंश बहादुर ने बताया कि राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) लखनऊ तथा जिला विद्यालय निरीक्षक/ जिला परियोजना अधिकारी रितु तोमर के निर्देशानुसार यह जनपद स्तरीय स्कूल बैंड की प्रतियोगिता 2026 आयोजित की गई है। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य वीरेश कुमार गौतम, डॉ सुनीत गिरी, लोकेश कुमार, निखिल चौधरी, पवन त्रिवेदी, जेबा इदरीस, तेजस्विनी भटनागर, सूरजभान सिंह तथा वीरेंद्र सिंह आदि शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

यूएस ओपनः सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया

लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

न्यूयॉर्क। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले

फाइनल में दूसरी वरीय राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गॉफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, 'मैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी। 'पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई। हालांकि, उन्होंने अपना ध्यान बनाए रखा। 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं पेगुला 0-40 से पिछड़ गईं। उन्होंने एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन अगला मौका नहीं बचा सकीं। सबालेंका ने जोरदार सर्विस रिटर्न से अंक पर नियंत्रण बनाया और पेगुला के फोरहैंड नेट में जाने के साथ पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में सबालेंका ने पेगुला की कमजोर दूसरी सर्विस को निशाना बनाया। उन्होंने 3-1 की बढ़त हासिल करने के लिए ब्रेक लिया और इसके बाद लगातार दबाव बनाए रखा। मैच प्वाइंट पर जोरदार फोरहैंड के साथ एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के अंडर-14 के ट्रायल में 210 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की अंडर-14 चयन प्रक्रिया के तहत जिला क्रिकेट एसोसिएशन (डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन) मुरादाबाद द्वारा एमपीएस स्कूल के मैदान पर ट्रायल का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 210 क्रिकेट खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीएसए) के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि ट्रायल में मुरादाबाद, अमरोहा और संभल जिलों के कुल 210 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इनमें मुरादाबाद जिले के 95, अमरोहा जिले के 70 और संभल जिले के 45 खिलाड़ी शामिल रहे।

ट्रायल प्रक्रिया के दौरान विजय गुप्ता के अलावा वरिष्ठ खिलाड़ी प्रदीप टंडन, वरिष्ठ कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी तथा बोर्ड

खिलाड़ी अमन लिट की निगरानी में संपन्न हुई। चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन, तकनीक, फिटनेस और क्रिकेट कौशल का बारीकी से आकलन किया। विजय गुप्ता ने बताया कि ट्रायल के बाद तीनों जिलों की टीमें आपस में मैच खेलेंगी। इन मैचों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किए गए खिलाड़ियों को जोनल ट्रायल में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान अहम भूमिका में नज़ाकत अली, मिर्ज़ा दानिश आलम, मोहम्मद हसीन, चमन सिंह, रहे। ट्रायल में कई कोच मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। ट्रायल के दौरान युवा खिलाड़ियों में चयन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर अगले स्तर की चयन प्रक्रिया में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई टली, 9 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई टाल दी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस मनोज जैन की एकल पीठ ने मामले को स्थगित करते हुए अगली तारीख निर्धारित की। ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के 16 दिसंबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर ईडी की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

ट्रायल कोर्ट ने शिकायत को कानून के तहत सुनवाई योग्य नहीं माना था। इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को भी प्रस्तावित आरोपी बनाया गया है। ईडी का कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने यह मानकर कानून की गलत व्याख्या की कि निजी शिकायत से उत्पन्न अनुसूचित अपराध के आधार पर पीएमएलए के तहत अभियोजन शिकायत दायर नहीं की जा सकती।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः 20 से अधिक देशों और प्रमुख वैश्विक संगठनों के शीर्ष नेता दिल्ली पहुंचेंगे

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों, साझेदार देशों, क्षेत्रीय संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में दुनिया के कई राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और वैश्विक संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। ब्रिक्स के 10 सदस्य देशों में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबीय अहमद अली सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्राजील की ओर से विदेश मंत्री माउरो विएरा, सऊदी अरब की ओर से विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर से अबू धाबी के क्राउन प्रिंस एवं अबू धाबी एग्जीक्यूटिव काउंसिल के चेयरमैन शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी से मिले प्रिंस रहीम आगा खान पंचम, भारत-आगा खान नेटवर्क सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। शिया इस्माइली मुसलमानों के 50वें वंशानुगत इमाम (आध्यात्मिक नेता) और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के चेयरमैन, प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मु ने आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के कार्यों की सराहना की। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, 'प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के कामों की सराहना की और कहा कि इससे पता चलता है कि कैसे सरकार के साथ मिलकर काम करने वाली गैर-लाभकारी संस्थाएं लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकती हैं।' इससे पहले दिन में, उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन ने आगा खान के साथ बैठक की, जिसमें खेल और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में भारत और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने कट्टरपंथ को खत्म करने की जरूरत को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि बातचीत ही शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई का बड़ा एक्शनः 5 नए केस दर्ज, 12 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली। नई दिल्ली घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के संदिग्ध गठजोड़ पर बड़ा शिकंजा कसा है। सीबीआई ने विभिन्न बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के आरोप में 5 नए आपराधिक मामले दर्ज किए हैं। इनमें से 4 मामले ओजोन ग्रुप और उसकी संबंधित संस्थाओं के बेंगलुरु व मुंबई स्थित प्रोजेक्ट्स के खिलाफ हैं, जबकि 1 मामला मेसर्स विवान्सा बाल्सम) के बेंगलुरु प्रोजेक्ट से संबंधित है। प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही जांच एजेंसी ने 10 सितंबर 2026 को बेंगलुरु, मुंबई और पुणे के 12 ठिकानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई की यह कार्रवाई बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के बीच उस कथित सांठगांठ की जांच के तहत की गई है, जिसके चलते मासूम घर खरीदारों के साथ बड़े पैमाने पर वित्तीय फर्जीवाड़ा किया गया। वर्षों से इन बिल्डरों की धोखाधड़ी का दंश झेल रहे बड़ी संख्या में होमबायर्स ने राहत की गुहार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सीएम की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई

दिल्ली में एसडीआरएफ के गठन से आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य को मिलेगी गतिः रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार अब अपनी राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) का गठन करेगी। इससे आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित और विशेषज्ञ बल को घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचाने, राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा जान-माल के नुकसान को कम करने में सहायता मिलेगी।

एसडीआरएफ के गठन के साथ ही दिल्ली सरकार अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों और सिविल डिफेंस वॉलंटियरों को भी विशेष प्रशिक्षण दिलाएगी ताकि आपदा की स्थिति में उपलब्ध स्थानीय मानव संसाधन आवश्यक कौशल और बेहतर समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में योगदान दे सकें। इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनडीआरएफ अधिकारियों ने दिल्ली में एसडीआरएफ के गठन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि दिल्ली में एसडीआरएफ 1100

जवान के बटालियन का गठन किया जा सकता है। यह बटालियन राज्य सरकार के अधीन कार्य करेगी और उसके आदेश पर आपदा की स्थिति में घटनास्थल पर तेजी से पहुंचकर प्रभावी राहत व बचाव कार्य कर सकेगी। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित एसडीआरएफ के जवानों को आवश्यक प्रशिक्षण एनडीआरएफ उपलब्ध कराएगी। दिल्ली की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष उपकरण आदि में एनडीआरएफ सहायता करेगी। एसडीआरएफ के गठन के बाद दिल्ली सरकार अपने फायर विभाग के स्टाफ और सिविल डिफेंस वॉलंटियरों को भी प्रशिक्षण दिलाएगी ताकि आपदा के समय विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ राहत-बचाव कार्य किए जा सकें। सरकार का मानना है कि आपदा के समय राहत और बचाव में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा त्वरित प्रतिक्रिया है। एसडीआरएफ के गठन, फायर विभाग एवं सिविल डिफेंस वॉलंटियरों के प्रशिक्षण से राजधानी की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक मजबूत और प्रभावी बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे आपदा प्रबंधन से जुड़े उपकरणों की लिस्ट व उनके भंडारण की जानकारी संबंधित विभागों को साझा करें ताकि दुर्घटना या आपदा के समय उन्हें तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में अपनी एसडीआरएफ का गठन लंबे समय से अपेक्षित था।

अभाविप के संभावित प्रत्याशियों ने डूसू चुनाव के लिए किया नामांकन, जनसंपर्क अभियान तेज

नामांकन पत्रों की जांच के बाद इन्हीं संभावित प्रत्याशियों में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों के लिए अंतिम प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन की ओर से घोषित संभावित प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन करने वालों में आलोक अत्री, इशू मौर्य, लक्ष्य राज सिंह, नितिन तंवर, रिया छावड़ी, तान्या मावी और यश डबास शामिल हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद इन्हीं संभावित प्रत्याशियों में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों के लिए अंतिम प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही अभाविप ने विद्यार्थियों के बीच अपना जनसंपर्क अभियान भी तेज कर दिया है। अभाविप कार्यकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में पीजी-टू-पीजी और क्लास-टू-क्लास अभियान चला रहे हैं। इस दौरान विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को जाना जा रहा है। सत्य निकेतन की घटना के बाद विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित आवास व्यवस्था का मुद्दा भी अभाविप के अभियान में प्रमुखता से शामिल है। संगठन के 'आखिर कब तक?' अभियान के तहत पीजी सर्वेक्षण कर आवासीय क्षेत्रों की समस्याओं और सुरक्षा मानकों की जानकारी जुटाई जा रही है। अभाविप ने विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और सुलभ छात्रावास उपलब्ध कराने, नए छात्रावासों के निर्माण में तेजी लाने तथा विद्यार्थी-बहुल क्षेत्रों में संचालित पीजी और किराये के भवनों में सुरक्षा मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन ने अपने प्रचार अभियान में डूसू के माध्यम से पिछले वर्षों में किए गए कार्यों को भी विद्यार्थियों के सामने रखना शुरू किया है। इनमें 1000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर, डूसू इंटर्नशिप, पीजी सीटों में वृद्धि, मूल्यांकन शुल्क में कमी, 'मदारी', 'कैंपस कलाकार' और पिंक बूथ जैसी पहल, यू-बस सेवा की शुरुआत तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार जैसे मुद्दे शामिल हैं। अभाविप कार्यकर्ता कॉलेजों, पीजी और कक्षाओं में विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी प्राथमिकताओं को समझ रहे हैं। संगठन का कहना है कि विद्यार्थियों से मिलने वाले सुझावों और अपेक्षाओं के आधार पर आगामी दिनों में घोषणापत्र तैयार किया जाएगा। अभाविप दिल्ली के मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि डूसू चुनाव को लेकर संगठन के कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ विद्यार्थियों के बीच हैं। उन्होंने कहा कि नामांकन के बाद संवाद अभियान को और व्यापक किया जाएगा। उनके मुताबिक अभाविप केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष विद्यार्थियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए काम करने में विश्वास रखता है।

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस.सी.एल. दास ने ली डीईआरसी के अध्यक्ष पद की शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस.सी.एल. दास को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। दास ने इस अवसर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

इस अवसर पर आशीष सूद ने एस.सी.एल. दास को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव का लाभ दिल्ली के विद्युत क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बिजली क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

एस.सी.एल. दास के अनुभव और प्रशासनिक दक्षता से दिल्ली विद्युत नियामक आयोग के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। सूद ने कहा कि डीईआरसी की भूमिका दिल्ली में विद्युत क्षेत्र के नियमन, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा बिजली वितरण से संबंधित

महत्वपूर्ण मामलों के नियमन में अहम है। ऊर्जा मंत्री ने उम्मीद जताई कि दास अपने अनुभव और विशेषज्ञता के माध्यम से आयोग के दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे।

भारत-जापान रक्षा साझेदारी को नई मजबूती 'एक्सरसाइज वीर गार्डियन 2026' के लिए जापानी फाइटर जेट पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'एक्सरसाइज वीर गार्डियन 2026' के लिए जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के फाइटर एयरक्राफ्ट की भारत की पहली यात्रा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के और गहरे होने का प्रतीक है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'भारत-जापान रक्षा साझेदारी में एक अहम पड़ाव! एक्सरसाइज वीर गार्डियन 2026 के लिए जेएएसडीएफ फाइटर एयरक्राफ्ट की भारत की पहली यात्रा, दोनों देशों के फाइटर एयरक्राफ्ट को शामिल करने वाला दूसरा संयुक्त अभ्यास है। इससे पहले 2023 में 'वीर गार्डियन 23' के दौरान आईएएफ के फाइटर एयरक्राफ्ट ने पहली बार जापान का दौरा किया था।' मंत्रालय ने कहा, 'फाइटर एयरक्राफ्ट की आपसी तैनाती एक महत्वपूर्ण पहल है, जो भारत-जापान रक्षा सहयोग के और गहरे होने का प्रतीक है। यह अभ्यास इंटरऑपरेबिलिटी (आपसी तालमेल) को बढ़ाएगा, रणनीति के आदान-प्रदान को आसान बनाएगा और संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से ऑपरेशनल स्किल्स में सुधार करेगा, जिससे इंडो-पैसिफिक में दीर्घकालिक सहयोग और स्थिरता की नींव मजबूत होगी। '

इससे पहले दिन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जेएएसडीएफ एफ-2 की भारत की पहली यात्रा का स्वागत किया और इसे दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी के लिए एक 'अहम पड़ाव' बताया। उन?होंने कहा कि 'एक्सरसाइज वीर गार्डियन' जैसे आपसी आदान-प्रदान भारत और जापान के बीच तालमेल को और मजबूत करते हैं।

दिल्ली में हॉस्टल संकट पर एलजी ने लिया बड़ा एक्शन

आशीष सूद की अध्यक्षता में बनी 20 सदस्यीय जांच समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने उपराज्यपाल टी.एस. संधू के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें सत्य निकेतन में हाल ही में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना के बाद छात्रों के रहने की व्यवस्था और सुरक्षा पर विचार करने के लिए उनकी अध्यक्षता में एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया है। सूद की अध्यक्षता वाली हाई-पावर्ड कमेटी को राष्ट्रीय राजधानी में हॉस्टल की कमी का आकलन करने और छात्रों, खासकर दूसरे राज्यों से शहर आने वाले छात्रों के लिए सुरक्षित आवास के नए विकल्प तलाशने का काम सौंपा गया है। 20 सदस्यों वाली इस कमेटी में दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस कमिश्नर, एमसीडी कमिश्नर, डीडीए के वाइस-चेयरपर्सन, चीफ फायर ऑफिसर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर, अन्य यूनिवर्सिटीज के वाइस-चांसलर और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, सूद ने कमेटी के गठन का स्वागत किया और कहा, 'दिल्ली के छात्रों के लिए सुरक्षित, किफायती और पर्याप्त आवास सुनिश्चित करना एक मुख्य प्राथमिकता है। मैं माननीय उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू द्वारा छात्र आवास और सुरक्षा पर एक हाई-पावर्ड कमेटी के गठन का स्वागत करता हूं। '

सूद ने कहा, 'कमेटी हॉस्टल की कमी का आकलन करेगी, यूनिवर्सिटीज और सरकारी एजेंसियों के माध्यम से आवास के नए विकल्प

तलाशेगी, उपयुक्त सरकारी संपत्तियों की पहचान करेगी और दिल्ली भर में छात्रों के लिए सुरक्षित, किफायती और अच्छी तरह से विनियमित आवास की दिशा में काम करेगी। हम सब मिलकर दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम बनाएंगे। ' दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की दुखद घटना, जिसमें सात लोगों की जान चली गई थी, के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहर की तैयारी और बड़ी आपात स्थितियों के दौरान प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक समर्पित राज्य आपदा आपातकालीन राहत बल (एसडीईआरएफ) स्थापित करने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। बड़ी आपदाओं और आपात स्थितियों के दौरान विशेष सहायता के लिए दिल्ली अब तक राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा और स्थानीय पुलिस पर निर्भर रही है। प्रस्तावित राज्य-स्तरीय बल का उद्देश्य प्रतिक्रिया समय को कम करना, एजेंसियों के बीच समन्वय में सुधार करना और आपदाओं से निपटने की दिल्ली की क्षमता को मजबूत करना है। यह कदम भूकंप के प्रति दिल्ली की संवेदनशीलता को देखते हुए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी उच्च-जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र-4 में आती है, साथ ही गंभीर बाढ़ और अन्य आपात स्थितियों का खतरा भी है जिनके लिए तत्काल और विशेष बचाव कार्यों की आवश्यकता होती है। दिल्ली सचिवालय में दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और एनडीआरएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक बैठक के दौरान एक आधुनिक और अत्याधुनिक एसडीईआरएफ टीम स्थापित करने के लिए आवश्यक इनपुट और सिफारिशों पर चर्चा की गई।

महापौर ने 176 नए स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

निगम स्वच्छता संसाधन बढ़ाने और सफाई के कार्य में निरंतर व तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने नगर निगम के मुख्यालय, सिविक सेंटर से दक्षिण क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण एवं कचरा परिवहन व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से 176 नए स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दक्षिण क्षेत्र में 176 नए स्वच्छता वाहनों की तैनाती दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। निगम स्वच्छता संसाधन बढ़ाने और सफाई के कार्य में निरंतर व तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं। महापौर ने कहा कि इन स्वच्छता वाहनों की तैनाती दक्षिण क्षेत्र के पांच वार्डों वसंत विहार, वसंत कुंज, ग्रीन पार्क, ग्रेटर कैलाश और सी.आर. पार्क में की जा रही है। इनमें 150 प्राथमिक कचरा संग्रहण वाहन शामिल हैं, जिनमें 112 टिपर तथा

38 ई-रिक्शा एवं थ्री-व्हीलर हैं। इन वाहनों के माध्यम से घर-घर जाकर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 26 द्वितीयक वाहन रिफ्यूज कलेक्टर, हुक लोडर, टाटा-407, जेसीबी और बॉबकैट कचरे के परिवहन, उठान और प्रबंधन की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

महापौर ने कहा कि वर्तमान में इन वार्डों में प्रत्येक वार्ड के लिए औसतन लगभग 10 प्राथमिक कचरा संग्रहण वाहन उपलब्ध हैं। नए वाहनों की तैनाती के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 30 वाहन प्रति वार्ड हो जाएगी। इससे घर-घर कचरा संग्रहण की आवृत्ति और कवरेज में उल्लेखनीय सुधार होने के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर कचरा जमा होने की समस्या को रोकने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन वाहनों की तैनाती से संबंधित वार्डों में कचरा संग्रहण क्षमता लगभग 2.5 गुना तक बढ़ेगी। महापौर ने कहा कि एमसीडी का उद्देश्य नागरिकों को समयबद्ध और प्रभावी घर-घर कचरा संग्रहण की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में प्राथमिक कचरा संग्रहण वाहनों की संख्या में वृद्धि से न केवल कवरेज बेहतर होगा, बल्कि कचरा संग्रहण की आवृत्ति भी बढ़ेगी। महापौर ने कहा कि स्वच्छ दिल्ली के निर्माण में निगम के साथ-साथ नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है और सभी नागरिकों से कचरे का उचित पृथक्करण एवं निर्धारित व्यवस्था के अनुसार कचरा सौंपने की अपील की। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि स्वच्छता और कचरा प्रबंधन एमसीडी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। दक्षिण क्षेत्र के पांच महत्वपूर्ण वार्डों में आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल वाहनों की तैनाती से जमीनी स्तर पर स्वच्छता सेवाओं की कार्यक्षमता में सुधार होगा।

भविष्य को लेकर दबाव न लेंः विजेंद्र गुप्ता

'प्रयास करते रहे और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान करें'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज, सुखदेव कॉलेज, लॉ सेंटर-द्व, लॉ सेंटर-द्वद्व तथा शहीद भगत सिंह कॉलेज के विद्यार्थियों ने दिल्ली विधानसभा का भ्रमण किया। यह भ्रमण युवा संपर्क कार्यक्रम के तहत युवाओं को कक्षा और पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करने की दिशा में जारी पहल का हिस्सा था।

इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों को लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों, सार्वजनिक जीवन तथा युवाओं की जिम्मेदारियों से जुड़े विषयों पर संवाद का अवसर मिला। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भविष्य को लेकर दबाव न लें। प्रयास करते रहे, सीखते रहें, जिज्ञासु बने रहें और राष्ट्र निर्माण में अपनी ओर से हर संभव योगदान दें। भारत के भविष्य को आकार देने में प्रत्येक युवा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने उन्हें अपनी जीवन-यात्रा को लेकर आत्मविश्वास बनाए रखने तथा शैक्षणिक, व्यावसायिक या सामाजिक दबावों को अपनी क्षमताओं पर हावी न होने

देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्र में देश के विकास में योगदान दे सकता है और राष्ट्र निर्माण केवल राजनीति या सार्वजनिक जीवन तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'आप भविष्य में जो भी पेशा चुनें, उसे ईमानदारी, उत्कृष्टता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ निभाएं। ' विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों पर निर्भर करती है। उन्होंने छात्रों को विभिन्न विचारों को सुनने, प्रश्न पूछने तथा किसी विषय पर अपनी राय बनाने से पहले उसे समझने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मतभिन्नता और बहस एक जीवंत लोकतंत्र के स्वाभाविक एवं आवश्यक तत्व हैं, बशर्ते वे संवैधानिक मूल्यों और परस्पर सम्मान की भावना के दायरे में हों।विद्यार्थियों ने विजेंद्र गुप्ता के साथ विधायिका के कामकाज, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका, लोकतांत्रिक भागीदारी तथा नागरिकों और सार्वजनिक संस्थाओं के बीच संबंधों से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इस दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और समकालीन मुद्दों के साथ-साथ बदलते भारत में युवा नागरिकों की भूमिका पर अपने विचार भी साझा किए। छात्रों ने दिल्ली विधानसभा परिसर का निर्देशित भ्रमण भी किया। उन्हें विधानसभा की विशिष्ट स्थापत्य शैली तथा भारत के संसदीय इतिहास में इसके महत्वपूर्ण स्थान से परिचित कराया गया। डॉक्यूमेंट्री और प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों को इस भवन के केंद्रीय विधान सभा से जुड़े ऐतिहासिक संबंध तथा इससे जुड़ी महत्वपूर्ण हस्तियों और ऐतिहासिक घटनाक्रमों की जानकारी दी गई। छात्रों को विधानसभा की स्मृति एवं विरासत पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'एक शताब्दी यात्रा' से भी परिचित कराया गया, जिसमें विधानसभा की ऐतिहासिक यात्रा और समृद्ध संसदीय विरासत को संकलित किया गया है।

सत्य निकेतन इमारत हादसाः मुख्य आरोपी शुभम त्यागी अभी भी फरार, पुलिस ने तेज की तलाश

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक इमारत हादसे के मामले में अभी भी एक मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस 'हॉस्टल डेज' पीजी के संचालक शुभम त्यागी की तलाश तेज कर रही है, जो घटना के बाद से फरार है। सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें पांच छात्र और दो मजदूर शामिल थे, जबकि पांच अन्य घायल हो गए थे। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार आरोपी सुधांशु लोवनीश का मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। पुलिस उसके कॉल रिकॉर्ड, चैट और अन्य डिजिटल डेटा की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि पता चल सके कि हादसे के तुरंत बाद उसने किससे संपर्क किया और क्या बातचीत हुई। डिजिटल सबूतों से घटना के पीछे की पूरी साजिश और लापरवाही को समझने में मदद मिलेगी। जांच में सामने आया है कि हादसे वाले दिन इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बड़े पैमाने पर निर्माण और मरम्मत का काम चल रहा था। सूत्रों ने बताया कि दुकान के लिए जगह बनाने के चक्कर में ग्राउंड फ्लोर की एक दीवार हटा दी गई थी। कथित तौर पर कमर्शियल फायदे के लिए ग्राउंड फ्लोर पर विस्तार का काम किया जा रहा था, जिसने इमारत की नींव को कमजोर कर दिया। इसके अलावा, कई दिनों की बारिश के बाद बेसमेंट में कचरा और पानी भर गया था। उसे साफ करने के बाद वहां मरम्मत का काम शुरू किया गया था। जांच में यह भी पता चला है कि बेसमेंट के लेवल को ग्राउंड फ्लोर के बराबर लाने के लिए कथित तौर पर वहां तीन ट्रक मलबा डाला गया था, जिससे इमारत पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। पुलिस ने इस मामले में अब तक इमारत के मालिक के बेटे महेश, लेबर कॉन्ट्रैक्टर सानोज कुमार और पीजी ऑपरेटर सुधांशु लोवनीश को गिरफ्तार किया है। वहीं, इमारत के मालिक 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता और उनकी 75 वर्षीय पत्नी उर्मिला भी न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के अनुसार, फरार आरोपी शुभम त्यागी और गिरफ्तार सुधांशु मिलकर 'हॉस्टल डेज' नाम से पीजी चला रहे।